MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 12 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-308

इंटरमीडिएट ख़त्म

नर्सरी से 12वीं तक एक ही स्कूल व्यवस्था

हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य में मौजूदा इंटरमीडिएट शिक्षा व्यवस्था समाप्त कर शैक्षणिक वर्ष 2027-28 से 10+2 शिक्षा प्रणाली लागू की जाएगी। इसके साथ ही तेलंगाना की स्कूली शिक्षा व्यवस्था को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (आईसीएसई) से संबद्ध स्कूलों की व्यवस्था के अनुरूप बनाया जाएगा।

नई प्रणाली के तहत स्कूलों में नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान की जाएगी और इंटरमीडिएट की पढ़ाई को स्कूली शिक्षा के साथ एकीकृत किया जाएगा। वर्तमान में सामान्यतः स्कूलों में 10वीं कक्षा तक पढ़ाई होती है, जबकि 11वीं और 12वीं कक्षा की शिक्षा जूनियर कॉलेजों के माध्यम से दी जाती है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान (एमसीआरएचआरडीआई) में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्णय घोषित किया। उन्होंने अधिकारियों को नई व्यवस्था लागू करने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

तीन चरणों में बंटेगी शिक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य नर्सरी से विश्वविद्यालय स्तर तक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और विद्यार्थियों को आधुनिक दुनिया में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। उन्होंने स्कूली शिक्षा को तीन चरणों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा। इसके तहत नर्सरी से चौथी कक्षा तक प्राथमिक शिक्षा, पांचवीं से आठवीं कक्षा तक माध्यमिक शिक्षा तथा नौवीं से 12वीं कक्षा तक वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि 12वीं कक्षा पूरी करने तक विद्यार्थियों में भाषा और संचार कौशल की अच्छी दक्षता विकसित होनी चाहिए, ताकि वे अपनी पसंद के विषयों में आगे की पढ़ाई कर सकें और रुचि के क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री ने मौजूदा इंटरमीडिएट प्रणाली के तहत 10वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों की बढ़ती पढ़ाई छोड़ने की दर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं तथा दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों के बीच पढ़ाई छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पढ़ाई छोड़ने की दर काफी कम है, क्योंकि इन संस्थानों में विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जारी रखने की सुविधा मिलती है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि 18 राज्यों में पहले से ही 12वीं कक्षा तक स्कूली शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था लागू है।

रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि नई व्यवस्था के प्रस्तावित बदलावों से सरकारी जूनियर कॉलेजों में कार्यरत व्याख्याताओं और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नौकरी, रोजगार संबंधी सुविधाओं तथा सेवानिवृत्ति लाभों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

स्थायी भवनों में होंगे छात्रावास

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को किराए के भवनों में संचालित कल्याण छात्रावासों और आवासीय स्कूलों का संचालन बंद कर उनके स्थान पर पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं से युक्त स्थायी भवनों का निर्माण करने का निर्देश दिया। उन्होंने इसके लिए आवश्यक धनराशि जारी करने का आश्वासन भी दिया। साथ ही सभी स्कूलों, छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में शौचालय तथा पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ▶8पर

ओवैसी आज़ाद

नये गठबंधन का ऐलान आज, 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी



नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गठबंधनों की नई तस्वीर उभरने लगी है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावनाओं के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के साथ हाथ मिलाने की तैयारी कर ली है।

गुरुवार को लखनऊ में दोनों नेता अपने गठबंधन का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। खबरों के अनुसार, प्रस्तावित तीसरा मोर्चा करीब 150 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या ओवैसी और चंद्रशेखर का गठबंधन उत्तर प्रदेश में दलित और मुस्लिम मतदाताओं का नया राजनीतिक समीकरण बना पाएगा?

उत्तर प्रदेश की चुनावी लड़ाई में इस बार गठबंधनों की रणनीति महत्वपूर्ण होने वाली है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन है, तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन है। अब तीसरे मोर्चे के रूप में ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की जोड़ी सामने आ रही है। दोनों दल दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने की कोशिश में हैं।

दलित-मुस्लिम मतदाताओं पर नजर

ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के प्रस्तावित गठबंधन की रणनीति में दलित और मुस्लिम मतदाता अहम भूमिका निभा सकते हैं। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जातियों की आबादी करीब 20.7 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी लगभग 19.26 प्रतिशत है। इस प्रकार दोनों समुदायों की संयुक्त आबादी करीब 40 प्रतिशत होती है।

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। वहीं, करीब 120 सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं की उल्लेखनीय मौजूदगी मानी जाती है। हालांकि, किसी समुदाय की आबादी का प्रतिशत सीधे उसके मतदान प्रतिशत अथवा किसी एक गठबंधन को मिलने वाले वोटों के बराबर नहीं होता।

तीसरे मोर्चे की कोशिश इन समुदायों के बीच अपना समर्थन बढ़ाने की होगी। इसके लिए दोनों दलों के पिछले चुनावी प्रदर्शन पर नजर डालना भी जरूरी है।

चंद्रशेखर की पार्टी का प्रदर्शन

चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 111 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी को कुल 1,19,564 वोट मिले थे, जो राज्य में पड़े कुल मतों का लगभग 0.13 प्रतिशत था। हालांकि, पार्टी एक भी विधानसभा सीट नहीं जीत सकी।

इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 26 सीटों पर चुनाव लड़ा। पार्टी को कुल 6,91,820 वोट मिले। वहीं, नगीना लोकसभा सीट से चंद्रशेखर आजाद ने अकेले 5,12,552 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। ▶8पर

बेहोश होकर गिरे पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।



देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बुधवार सुबह अचानक बिगड़ गई। मॉर्निंग वॉक के दौरान वह बेहोश होकर गिर पड़े। इसके बाद उन्हें दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, 75 वर्षीय धनखड़ को अस्पताल के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती किया गया है, जहां हृदय रोग विभाग के डॉक्टर उनकी जांच और उपचार कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह टहलने के दौरान जगदीप धनखड़ अचानक बेहोश होकर गिर पड़े और कुछ मिनट तक बेहोश रहे। उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) वाहन से घर पहुंचाया। इसके बाद इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) की मेडिकल टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच कर आवश्यक चिकित्सा सहायता दी। प्रारंभिक चिकित्सा सहायता मिलने के बावजूद उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई थी। इसे देखते हुए उन्हें एंबुलेंस से दिल्ली एम्स ले जाया गया। यहां उन्हें अस्पताल के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती कराया गया है। फिलहाल हृदय रोग विभाग की निगरानी में उनकी मेडिकल जांच और उपचार जारी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। एम्स प्रशासन ने भी उनके स्वास्थ्य को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़ अगस्त 2022 में भारत के 14वें उपराष्ट्रपति बने थे। उन्होंने जुलाई 2025 में उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था।

दास्तान-ए-सोनिया पर सवाल

55 तथ्यात्मक और संदर्भ संबंधी गलतियों का दावा, ऐतिहासिक घटनाओं और संवैधानिक व्यवस्थाओं के विवरण पर प्रश्नचिह्न

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' बाजार में आ चुकी है। पुस्तक के कई प्रसंग चर्चा में हैं। इसमें सोनिया गांधी ने इटली के एक छोटे से शहर से भारत के प्रभावशाली राजनीतिक परिवार तक पहुंचने, राजीव गांधी से विवाह, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या के बाद के निजी संघर्षों तथा अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख किया है। हालांकि, इस आत्मकथा में कई ऐतिहासिक घटनाओं, राजनीतिक घटनाक्रमों और संवैधानिक व्यवस्थाओं को लेकर तथ्यात्मक गलतियां सामने आने का दावा किया गया है। पुस्तक की समीक्षा में 55 तथ्यात्मक और संदर्भ संबंधी गलतियों की पहचान किए जाने की बात कही गई है।

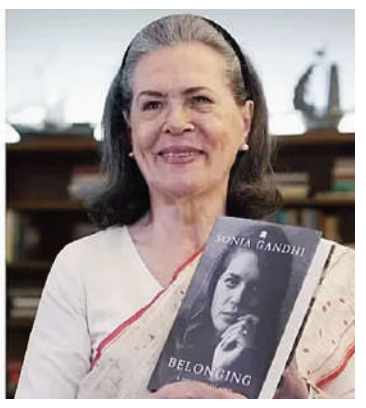
सोनिया गांधी दो दशकों से अधिक समय तक संसद का हिस्सा रही हैं और वर्तमान में राज्यसभा की सदस्य हैं। इसके बावजूद पुस्तक में भारतीय संसदीय व्यवस्था को लेकर एक ऐसा दावा किया गया है, जिसने ध्यान आकर्षित किया है। पुस्तक में लिखा गया है कि लोकसभा के सदस्य निर्वाचित होते हैं और राज्यसभा के सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। जबकि वास्तविक व्यवस्था के अनुसार राज्यसभा के 238 सदस्य राज्यों की विधानसभाओं के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होते हैं और केवल 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं।

आरएसएस की स्थापना और अहमद पटेल की तारीख में गलती

पुस्तक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना का वर्ष 1921 बताया गया है, जबकि इसकी स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में नागपुर में की थी। इसी तरह सोनिया गांधी ने अपने लंबे समय तक राजनीतिक सचिव रहे अहमद पटेल की मृत्यु का वर्ष भी गलत लिखा है। पुस्तक में उनकी मृत्यु 2022 में कोविड-19 के कारण बताई गई है, जबकि उनका निधन 25 नवंबर 2020 को हुआ था।

अहमद पटेल लंबे समय तक सोनिया गांधी के करीबी विश्वासपात्रों में शामिल रहे थे। ऐसे में उनकी मृत्यु की तारीख





को लेकर हुई गलती भी चर्चा का विषय बनी है।

गुजरात दंगों के विवरण में भी चूक

पुस्तक में 2002 के गुजरात दंगों का उल्लेख करते हुए अहमदाबाद को गुजरात की राजधानी बताया गया है, जबकि गांधीनगर वर्ष 1970 से गुजरात की राजधानी है। गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना के विवरण में भी गलती बताई गई है। पुस्तक में लिखा गया है कि ट्रेन के चार डिब्बों में आग लगाई गई थी, जबकि घटना में ट्रेन के एस-6 कोच में आग लगी थी।

इन गलतियों को व्यक्तिगत स्मृति अथवा संपादन की चूक माना जा सकता है। हालांकि, लगातार ऐसी गलतियां सामने आने से प्रकाशन से पहले ऐतिहासिक तथ्यों की जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

चुनावी आंकड़ों में भी हुई गड़बड़ी

सोनिया गांधी ने पुस्तक में 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली 282 सीटों का सही उल्लेख किया है। हालांकि, उसी चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सीटों की संख्या 353 बताई गई है, जबकि 2014 में एनडीए को 336 सीटें मिली थीं। 353 सीटों का आंकड़ा 2019 के लोकसभा चुनाव से संबंधित है। इस प्रकार पुस्तक में पांच वर्ष के अंतराल पर हुए दो अलग-अलग आम चुनावों के आंकड़ों को मिला दिया गया है।

इसी तरह 1984 के लोकसभा चुनाव का विवरण देते हुए पुस्तक में एक स्थान पर कांग्रेस की सीटों की संख्या 405 और दूसरे स्थान पर 404 बताई गई है। यानी एक ही चुनाव को लेकर पुस्तक के दो हिस्सों में अलग-अलग आंकड़े दिए गए हैं।

कारगिल युद्ध और वाजपेयी की यात्रा की तारीखों में अंतर

सोनिया गांधी की आत्मकथा में 1999 के कारगिल युद्ध का विवरण भी सवालों के घेरे में है। पुस्तक में लिखा गया है कि जब लद्दाख के चरवाहे ताशी नामग्याल ने नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी घुसपैठियों को देखा, उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी इस्लामाबाद में नवाज शरीफ के मेहमान थे। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 17°

कुलगाम में आतंकी हमला!

सीआरपीएफ के तीन जवान घायल

कुलगाम, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर आतंकियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों पर हमला कर दिया। मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए हमलावरों ने नाके पर तैनात जवानों पर फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। इस हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हुए हैं। तीनों को उपचार के लिए अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इनमें एक जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो काफी अंधेरा है, जिसमें कुछ सेकंड तक जवानों को चहलकदमी



करते देखा जा सकता है। अचानक गोलियां चलने की आवाज सुनाई देती है, जिसके बाद चीखने की आवाज आती है। फुटेज में संभवतः एक जवान को चिल्लाते हुए यह कहते सुना जा सकता है कि इधर आ, जल्दी आ, गोली चल रही है। इसके बाद लगातार गोलियां चलने की आवाज सुनाई देती है।

सीआरपीएफ के अनुसार, घटना बुधवार दोपहर करीब 2:15 बजे हुई। हमलावरों ने नाके पर तैनात जवानों को निशाना बनाया और फायरिंग के बाद मौके से भाग निकले। हमले के बाद सीआरपीएफ जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। शुरुआती जानकारी में दो जवानों के घायल होने की बात सामने आई थी, लेकिन बाद में तीन जवानों को अस्पताल पहुंचाए जाने की जानकारी मिली।

हमले के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हमलावरों की तलाश के लिए त्वरित कार्रवाई दल (क्यूएटी) को भी तैनात किया गया है। स्थानीय पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों की टीमें संयुक्त रूप से तलाशी ▶8पर

शादी पर विवाद : सोशल मीडिया पर फैले दावे पुलिस ने किए खारिज

सहारनपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दो मुस्लिम बहनों की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों को पुलिस ने खारिज कर दिया है। वायरल शादी के निमंत्रण कार्ड में दूल्हों के हिंदू नाम देखकर अंतरधार्मिक विवाह की खबरें फैल गई थीं। हालांकि, पुलिस का कहना है कि दोनों दूल्हे मुस्लिम हैं और दुल्हनें भी उसी समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। दरअसल, सहारनपुर के गंगोह इलाके में रफशा और गुलफशा नाम की दो बहनों की शादी 12 नवंबर को होनी है। शादी के निमंत्रण कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दावा किया जाने लगा कि दोनों मुस्लिम बहनों की शादी हिंदू युवकों से कराई जा रही है। इसके बाद शादी समारोह को लेकर विवाद और धमकियों की बात भी सामने आई। इस मामले पर गंगोह के क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र प्रताप गौतम ने बताया कि सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावे भ्रामक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों दूल्हे मुस्लिम हैं और



उनका संबंध मेवात क्षेत्र से है। वहां समुदाय के लोग परंपरागत रूप से हिंदू नाम भी रखते हैं।पुलिस अधिकारी के मुताबिक, दोनों दूल्हे और दुल्हनें एक ही समुदाय से हैं। इतना ही नहीं, दोनों परिवारों की जाति और बिरादरी भी एक ही है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर किसी तरह की सनसनी फैलाने की जरूरत नहीं है और इलाके में स्थिति सामान्य है। शादी के कार्ड पर दूल्हों के हिंदू नाम लिखे होने के कारण सोशल मीडिया पर अंतरधार्मिक विवाह की खबरें तेजी से फैली थीं। दोनों शादियां 12 नवंबर को होनी तय हैं।

▶8पर



आइसेनकोट ने नेतन्याहू के भाषण को नफरत भरा बताया, अरब पार्टियों ने उन्हें नस्लवादी ठहराया

यरुशलम (इजराइल)

कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने नई नेसेट (संसद) में तीखा भाषण दिया। उनके भाषण को नई सरकार बनाने जा रहे यशार पार्टी के नेता गादी आइसेनकोट ने नफरत से भरा करार दिया। अरब पार्टियों ने तंज कसते हुए उन्हें नस्लवादी ठहराया। बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने का आह्वान किया। साथ ही अरब पार्टियों पर इजराइल को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। अपने राजनीतिक विरोधियों को चेतावनी दी कि वे सरकार बनाने के लिए अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर न रहें। द टाइम्स आफ इजराइल और द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, गादी आइसेनकोट ने कहा कि नेतन्याहू का भाषण यह साबित करता है कि वे इस पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं। अरब सांसदों ने कहा कि उनके भाषण ने उन्हें नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए और भी अधिक दृढ़ बना दिया है। पिछले महीने हुए चुनाव में संसदीय बहुमत खोने के बाद और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के आइसेनकोट को सरकार बनाने का जनादेश सौंपे जाने के बाद नेतन्याहू ने अपने भाषण में वही पुराना अभियान जारी रखा जो उन्होंने चुनाव के दौरान चलाया था। उन्होंने अरब पार्टियों को अवैध ठहराने और उन्हें आतंकवाद का समर्थक बताने की कोशिश की। भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने बार-बार नेतन्याहू को टोका। उन्होंने नेतन्याहू के सहयोगियों के कतर के साथ कथित संबंधों पर जवाब मांगा और 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नरसंहार की जांच के लिए एक सरकारी आयोग गठित करने से इनकार करने पर सवाल उठाए। नई नेसेट के शपथ ग्रहण के बाद नेतन्याहू ने अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान के साथ दो युद्ध लड़ने के बावजूद इजराइल को अभी भी खतरा बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा, ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा हुए तत्काल अस्तित्व के खतरे को टालने के बाद वह अब इस कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है। इस खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्लाओं के शासन को उखाड़ फेंकना है। उन्होंने 7 अक्टूबर, 2023 के नरसंहार के बाद हुए युद्धों में अपनी उपलब्धियों को गिनाते हुए दावा किया, हमने मध्य पूर्व की तस्वीर बदल दी है। देश के सामने मौजूद खतरों के बीच नेतन्याहू ने प्रस्ताव रखा, हमें सब कुछ एक तरफ रखकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनानी चाहिए। इस बीच राअम पार्टी के चेयरमैन और सांसद मंसूर अब्बास ने को एन 12 चैनल को दिए एक इंटरव्यू में यह कहकर सनसनी फैला दी कि आपरेशन गार्जियन आफ द वाल्स के दौरान 2021 में बालफोर स्ट्रीट स्थित आधिकारिक आवास पर हुई एक मुलाकात में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनसे कहा था कि वे हमास के तत्कालीन नेता याह्या सिनवार पर भरोसा करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

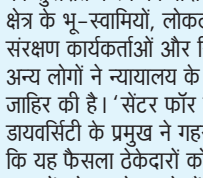
पाकिस्तान का सी-5 परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्वच्छ बिजली और ऊर्जा सुरक्षा का प्रतीकः शहबाज शरीफ



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि सी-5 (चश्मा-5) परमाणु ऊर्जा संयंत्र पाकिस्तान के लोगों के लिए स्वच्छ बिजली और ऊर्जा सुरक्षा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने प्रसारित एक कार्यक्रम में यह बात कही। यह कार्यक्रम मियांवाली के पास सी-5 संयंत्र में डोम (गुंबद) लगाने के अवसर पर आयोजित किया गया । डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में इसे पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग के लिए बड़ी उपलब्धि बताया गया है। इसमें कहा गया है कि सी-5 परियोजना की बिजली उत्पादन क्षमता 1,200 मेगावाट होगी और उम्मीद है कि सितंबर 2030 से यहां बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि भले ही यह ढांचा कंक्रीट और स्टील से बना हो, लेकिन यह स्वच्छ, भरोसेमंद और सस्ती बिजली का वादा है। प्रधानमंत्री शहबाज ने याद दिलाया कि जुलाई 2023 में जब वे इस जगह पर शिलान्यास करने आए थे, तब उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान किसी का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयासों से अपना भविष्य खुद बनाएगा।

बिग बेंड में सीमा दीवार निर्माण को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी से विरोधियों में छाई निराशा

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को टेक्सास के बिग बेंड क्षेत्र में



सीमा दीवार का निर्माण फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। यह निर्णय उन सभी विरोधियों के लिए एक बड़ा झटका है, जिसमें रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों प्रमुख दलों के नेता शामिल हैं, जो परियोजना को सरकारी धन की बर्बादी और क्षेत्र के प्राकृतिक सौंदर्य के लिए खतरा बता रहे हैं। सीमा दीवार का निर्माण राष्ट्रपति ट्रंप की प्रमुख चुनावी प्रतिज्ञाओं में से एक रहा है, जो प्रशांत महासागर से लेकर मैक्सिको की खाड़ी तक अमेरिका की दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने का वादा करते रहे हैं। बिग बेंड क्षेत्र के भू-स्वामियों, लोकल कारोबारियों, पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ताओं और निर्माण का विरोध कर रहे अन्य लोगों ने न्यायालय के फैसले पर गहरी निराशा जाहिर की है। 'सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायवर्सिटी के प्रमुख ने गहरी चिंता व्यक्त कर कहा कि यह फैसला ठेकेदारों को अनछुए रेगिस्तानी इलाकों को बुलडोजर से रौंदने और घाटियों की चट्टानों को विस्फोट से उड़ाने का रास्ता खोलता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रक्रिया टेक्सास के सबसे अनूठे प्राकृतिक क्षेत्र को हमेशा के लिए तबाह कर सकती है, जबकि अदालतों ने अभी तक इसकी कानूनी वैधता तय नहीं की है। बीते साल अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन सदस्यों द्वारा परियोजना के लिए 4.6 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि मंजूर की थी। इसके बाद सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी (सीबीपी) ने अवैध आव्रजन और तस्करी रोकने के उद्देश्य से निर्माण कार्य तेज किया है।

50 साल से तुर्कमेनिस्तान में धधकती ज्वाला अब पड़ रही है कमज़ोर

अश्गाबात। तुर्कमेनिस्तान के कराकुम रेगिस्तान को दुनिया गेट टू हेल यानी नरक का दरवाजा कहती है।



यहां मौजूद कुछ जगहें किसी रहस्य से कम नहीं हैं, जिनके बारे में जानकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यहां जमीन के बीचोंबीच एक विशाल गड्ढा है, जिसमें लगातार आग की लपटें उठती रहती हैं। रात के अंधेरे में इसका नजारा किसी दूसरी दुनिया जैसा दिखाई देता है। इस रहस्यमयी जगह का असली नाम दारवाजा गैस क्रेटर है। यह तुर्कमेनिस्तान के दारवाजा गांव के पास स्थित है और स्थानीय स्तर पर इसे शाइनिंग आफ कराकुम के नाम से भी जाना जाता है। यह कोई ज्वालामुखी नहीं है, बल्कि प्राकृतिक गैस के कारण जलता हुआ एक विशाल गड्ढा है। इसकी आग और रहस्यमयी रूप ने इसे दुनियाभर में मशहूर बना दिया है। इस अनोखी जगह की कहानी साल 1971 से शुरू होती है। उस समय सोवियत संघ के भूवैज्ञानिक कराकुम रेगिस्तान में प्राकृतिक गैस की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान जमीन के नीचे मौजूद गैस का भंडार अचानक धंस गया। देखते ही देखते वहां एक बड़ा गड्ढा बन गया। गड्ढा बनने के बाद उससे लगातार प्राकृतिक गैस बाहर निकलने लगी, जिससे आसपास के वातावरण में जहरीली गैस फैलने का खतरा पैदा हो गया। माना जाता है कि वैज्ञानिकों ने गैस को जलाने का फैसला किया, ताकि वह वातावरण में फैलने के बजाय आग में जल जाए। उन्हें उम्मीद थी कि कुछ सप्ताह में गैस खत्म हो जाएगी और आग अपने आप बुझ जाएगी। लेकिन वैज्ञानिकों का अनुमान गलत साबित हुआ। आग कुछ सप्ताह में बुझने के बजाय दशकों तक जलती रही।

आरोरा की रंगबिरंगी खूबसूरत रोशनी के पीछे का ये है विज्ञान

हेलसिंकी

क्या आपने कभी सोचा है कि आसमान में दिखने वाली आरोरा (ध्रुवीय ज्योति) की खूबसूरत रोशनी असल में सूरज और पृथ्वी के बीच होने वाली एक बड़ी प्राकृतिक हलचल का नतीजा है आरोरा अपने आप में खतरनाक नहीं है। यह एक प्राकृतिक रोशनी है, जो तब पैदा होती है जब सूरज से आने वाले आवेशित कण पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में आते हैं। सूरज लगातार आवेशित कणों को अंतरिक्ष में छोड़ता रहता है। जब इन कणों की बड़ी मात्रा पृथ्वी की ओर आती है, तो वे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराते हैं। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र इन कणों को ध्रुवों की ओर मोड़ने में मदद करता है। इसके बाद ये कण पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में मौजूद आक्सीजन और नाइट्रोजन जैसी गैसों से टकराते हैं। इस टक्कर के दौरान ऊर्जा निकलती है और आसमान में अलग-अलग रंगों की रोशनी दिखाई देने लगती है। इसी प्राकृतिक घटना को आरोरा कहा जाता है। आक्सीजन से आमतौर पर हरे और लाल रंग की रोशनी दिखाई दे सकती है, जबकि नाइट्रोजन की वजह से नीले और बैंगनी रंग भी नजर आते हैं।

रंगों का यह खेल इस बात पर निर्भर करता है कि वायुमंडल में कौन-सी गैस मौजूद है और टक्कर कितनी ऊंचाई पर हो रही है। हालांकि, आरोरा को सीधे तौर पर इंसानों के लिए खतरनाक नहीं माना जाता है, लेकिन इसके पीछे होने वाला शक्तिशाली भू-चुंबकीय तूफान चिंता की वजह बन सकता है। ऐसे तूफान के दौरान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में हलचल होती है, जिसका असर उन तकनीकों पर पड़ सकता है, जिन पर आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी काफी हद तक निर्भर है। ये तूफान सैटेलाइट, जीपीएस, रेडियो कम्युनिकेशन और बिजली के ग्रिड नेटवर्क में गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं। आमतौर पर आरोरा पृथ्वी के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के आसपास दिखाई देता है, क्योंकि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र आवेशित कणों को इन्हीं क्षेत्रों की ओर ले जाता है। भारत में सामान्य परिस्थितियों में आरोरा दिखाई देने की संभावना बेहद कम है। लेकिन अगर सूरज से बहुत शक्तिशाली सौर तूफान आए, तो आरोरा अपनी सामान्य सीमा से काफी दूर तक फैल सकता है। ऐसी स्थिति में कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में भी इसे देखने का मौका मिल सकता है।



पृथ्वी से देखने पर आरोरा आसमान में लहराती रंगीन रोशनी जैसा नजर आता है, लेकिन अंतरिक्ष से इसका नजारा और भी अद्भुत होता है। यह पृथ्वी के चारों ओर फैले हरे, लाल और बैंगनी रंग के चमकते पर्दों जैसा दिखाई देता है। ये रोशनी वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में सैकड़ों किलोमीटर तक फैली हो सकती हैं। कुल मिलाकर, आरोरा सिर्फ आसमान की खूबसूरती नहीं, बल्कि सूरज, पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और वायुमंडल के बीच होने वाली एक विशाल प्राकृतिक प्रक्रिया का नतीजा है। मालूम हो कि रात के अंधेरे में आसमान अचानक हरे, गुलाबी, लाल और बैंगनी रंगों चमकने वाले इस आरोरा को देखने के लिए दुनिया भर से लोग नार्वे, फिनलैंड और आइसलैंड जैसे देशों का रुख करते हैं।

फिनलैंड ने शुरु किया फिनिश डिनर डेट अभियान

हेलसिंकी। दुनिया के सबसे खुशहाल देश फिनलैंड के राष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड विजिट फिनलैंड ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिनिश डिनर डेट नाम से एक खास अभियान शुरू किया है। दुनियाभर से चुने गए 16 सिंगल लोगों को इस अभियान के तहत फिनलैंड की पूरी तरह से मुफ्त और प्रायोजित यात्रा पर बुलाया जाएगा। इस यात्रा के दौरान चयनित लोगों को वहां के बेहतरीन खान-पान का आनंद लेने के साथ-साथ अपना जीवनसाथी या नया साथी खोजने का सुनहरा अवसर मिलेगा। पर्यटन बोर्ड द्वारा जारी विवरण के अनुसार, चुने गए 16 अविवाहित प्रतिभागियों को 9 से 19 फरवरी 2027 के बीच फिनलैंड की यात्रा कराई जाएगी। इस 10 दिवसीय दौरे पर प्रतिभागियों की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, लक्जरी होटलों में ठहरने, भोजन और सभी तरह की स्थानीय यात्राओं का शत-प्रतिशत खर्च फिनलैंड की सरकार और पर्यटन विभाग द्वारा उठाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दुनिया को फिनलैंड की अनूठी खाद्य संस्कृति और वहां के शांत व खुशहाल जीवन जीने की शैली से रूबरू कराना है। इस मुफ्त यात्रा का सबसे मुख्य आकर्षण ग्रुप ब्लाइंड डिनर डेट्स होंगी। फिनलैंड के प्रसिद्ध शहरों हेलसिंकी और टाम्पेरे में विशेष रात्रिभोज आयोजित किए जाएंगे, जहाँ विदेशी मेहमानों की मुलाकात फिनलैंड के स्थानीय सिंगल पुरुषों और महिलाओं से कराई जाएगी। इन डिनर डेट्स में फिनलैंड के शीर्ष शेफ द्वारा तैयार पारंपरिक व्यंजन जैसे ताजी जंगली मछलियां, प्राकृतिक बेरीज और जंगलों से एकत्र किए गए विशेष मशरूम परोसे जाएंगे।

ईरान की धमकी के बीच अमेरिकी वित्त सचिव बेसेंट को घर से मिलिट्री बेस ले जाया गया



वाशिंगटन (अमेरिका)

ईरान से मिली जान से मारने की धमकी के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्त सचिव स्काट बेसेंट हाल ही में अपना घर छोड़कर एक मिलिट्री बेस पर चले गए हैं। यह जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने अपनी पहचान न उजागर करने की शर्त पर यह संवेदनशील जानकारी दी। बताया गया है कि हाल के हफ्तों में अमेरिकी अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के खिलाफ ईरान की साजिशें अब और गंभीर चरण में पहुंच गई हैं। इसमें बेसेंट को मिली धमकी से जुड़ी खुफिया जानकारी भी शामिल है।

द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन करते हुए बताया गया है कि अगस्त से बेसेंट एक ऐसे आर्थिक दबाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसका मकसद ईरान को कड़े प्रतिबंधों और व्यापार मार्गों पर रोक लगाकर आर्थिक रूप से अलग-थलग करना है। इन लोगों के अनुसार, इस भूमिका की वजह से वह प्रशासन के उन अधिकारियों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें ईरान सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहता है।

उन्हें मिली धमकियां कितनी गंभीर हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और विदेश में बड़े पैमाने पर हमले करने की ईरान की क्षमता सीमित है। लेकिन, ईरान की ओर से कुछ खास लोगों को निशाना बनाने की ऐसी धमकी भी मिली हैं जिन्हें अमेरिकी अधिकारी गंभीर मानते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की साजिश रची गई थी।

वित्त विभाग के एक प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि बेसेंट ईरानी शासन की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। वह ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालने वाले अभियान को जारी रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। न्यूयार्क टाइम्स का मानना है कि बेसेंट ट्रंप प्रशासन के ऐसे नवीनतम वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिन्होंने वाशिंगटन क्षेत्र स्थित अपना घर छोड़कर किसी सैन्य अड्डे या अन्य सुरक्षित आवास में जाना चुना है। पिछले साल कम से कम आधा दर्जन अधिकारियों ने ऐसा ही किया था। इनमें स्टीफन मिलर (जो अब व्हाइट हाउस के चीफ आफ स्टाफ हैं) और पैम बान्डी (जो उस समय अटार्नी जनरल थीं) शामिल हैं।

हूतियों से जंग में सीरिया नहीं देगा सऊदी का साथ, 10 हजार सैनिकों की उम्मीद टूटी



दमिश्क। पश्चिमी एशिया में हाल ही में उस समय हलचल तेज हो गई थी, जब ऐसी खबरें सामने आईं कि सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच सीरिया अपनी सेना सऊदी अरब और यमन में तैनात कर सकता है। शुरुआती दावों में कहा गया था कि सीरिया हजारों की संख्या में सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा है, कुछ रिपोर्टों में यह संख्या 3,000 से 10,000 तक भी बताई गई। हालांकि, इन अटकलों पर अब विराम लग गया है, क्योंकि सीरिया ने यमन में अपनी सेना भेजने की सभी खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सीरियाई आधिकारिक चैनलों और सरकार से जुड़े सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि सऊदी अरब के साथ उसका सैन्य सहयोग केवल प्रशिक्षण, क्षमता बढ़ाने और अनुभव साझा करने तक सीमित है। सीरिया ने साफ तौर पर कहा है कि वह यमन में लड़ने के लिए लड़ाकू सैनिक नहीं भेजेगा। यह मामला तब और सुर्खियों में आया जब 7 नवंबर को सैन्य अधिकारियों ने बताया कि करीब 3,000 सीरियाई सैनिक सऊदी अरब और यमन में तैनात किए जा सकते हैं, जबकि कुछ अन्य सूत्रों ने दावा किया कि सैकड़ों सैनिक पहले ही सीमा के दोनों तरफ पहुंच चुके थे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज

वाशिंगटन (अमेरिका)

अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में ग्रैंड ओल्ड पार्टी (रिपब्लिकन) प्रतिनिधि थामस मैसी का रक्षा सचिव (बदला पदनाम युद्ध सचिव) पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज हो गया। यह मुख्य रूप से ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर था। हाउस ने 211 के मुकाबले 204 वोटों से इस प्रस्ताव को न्यायपालिका समिति के पास भेजने का फैसला किया। इसी के साथ इस प्रस्ताव ने अपना प्रभाव खो दिया।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मैसी अकेले ऐसे रिपब्लिकन हैं जिन्होंने सभी डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इसके खिलाफ वोट दिया। मतदान के बाद मैसी ने कहा, मुझे हैरानी नहीं हुई, लेकिन निराशा जरूर हुई। कांग्रेस के बारे में मेरा आकलन यह है कि ये लोग जानते हैं कि क्या करना चाहिए। बस वे ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते, भले ही ऐसा करने से उन्हें राजनीतिक फायदा ही क्यों न हो।

केंटकी के रिपब्लिकन मैसी ने कहा था कि वह



हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग का कोई और प्रस्ताव नहीं लाएंगे। इस साल की शुरुआत में प्राइमरी चुनाव हारने के बाद वह जनवरी की शुरुआत में रिटायर हो रहे हैं। डेमोक्रेट्स अभी भी इस मुद्दे को आगे बढ़ा सकते हैं, खासकर तब जब जनवरी में दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) पर उनका नियंत्रण वापस आ जाएगा। हाउस में अल्पसंख्यक नेता (माइनारिटी लीडर) और न्यूयार्क के डेमोक्रेट हकीम जेफ़रीज ने कहा, यह अंत नहीं है। यह तो बस शुरुआत है।

मैसी ने कहा कि अब वह युद्ध शक्तियों (वार पावर्स) से जुड़े एक प्रस्ताव पर मतदान कराने की योजना बना रहे हैं। मैसी ने कहा, हम देखेंगे कि वे सभी रिपब्लिकन, जिन्होंने कहा था कि अरे, हम युद्ध की वजह से चुनाव हार गए, क्या वे अब भी इसके पक्ष में वोट देते हैं महाभियोग प्रस्ताव में हेगसेथ पर कई आरोप लगाए गए थे। इनमें शामिल हैं- कांग्रेस की मंजूरी के बिना ईरान के साथ युद्ध शुरू करके अपने पद का दुरुपयोग करना, नागरिकों के नुकसान को कम करने के लिए बने कानूनों की अनदेखी करना, कैरेबियन में पेंटागन के बोट हमलों के दौरान गैर-न्यायिक हत्याओं का निर्देश देना, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण का आदेश देना और डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली के खिलाफ बदले की कार्रवाई करना।

हेगसेथ ने प्रेस कान्फ्रेंस में महाभियोग की कोशिश की निंदा की और इसे एक तमाशा और राजनीतिक दिखावा बताया। हेगसेथ ने तर्क दिया, इनमें से कोई भी गंभीर अपराध या कदाचार नहीं है। ये केवल पक्षपातपूर्ण नीतिगत असहमति हैं, जो उन लोगों की तरफ से आ रही हैं जो हमारी सेना का राजनीतिकरण करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने महाभियोग की कोशिश का मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि यह बुरी तरह से फेल हो गई है!

अमेरिकी इतिहास में अब तक केवल दो कैबिनेट सचिवों पर महाभियोग चलाया गया है। 1876 में भ्रष्टाचार के एक मामले को लेकर युद्ध सचिव (सेक्रेटरी आफ वार) विलियम बेलनैप पर महाभियोग चलाया गया था और 2024 में दक्षिणी सीमा को संभालने के तरीके को लेकर होमलैंड सिक्योरिटी सचिव एलेजांद्रो मायोर्कास पर महाभियोग चलाया गया। सीनेट ने बेलनैप को बरी कर दिया, जबकि मायोर्कास के खिलाफ लगे आरोपों को खारिज कर दिया गया।

ट्रंप ने अपने प्रशासन की निर्वासन नीति का बचाव कर इसे बेहद मजबूत बताया

कहा- वह ऐसे आव्रजन समझौते के खिलाफ जिसमें प्रवासियों को आम माफी का प्रावधान हो

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन संबंधी अपनी नीति को बेहद सख्त बताते हुए इसमें बदलाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ समझौता करने की संभावना जताने के बाद अपने प्रशासन की निर्वासन नीति का बचाव किया और कहा कि वह ऐसे किसी भी आव्रजन समझौते के खिलाफ हैं, जिसमें अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को आम माफी देने का प्रावधान हो। ट्रंप की यह टिप्पणी गृहमंत्री मार्कवेन मुलिन के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें आव्रजन नीति पर मिलकर काम करने के इच्छुक डेमोक्रेटिक नेताओं के फोन आ रहे हैं, लेकिन वह ऐसे किसी भी समझौते के सख्त



खिलाफ हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों को आम माफी देने का प्रावधान हो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मध्यावधि चुनावों से यह साफ हो गया कि मतदाता प्रशासन की सख्त आव्रजन नीतियों और उन्हें लागू करने के तरीकों से नाखुश हैं। ट्रंप और मुलिन की टिप्पणियों से चुनाव के बाद प्रशासन के विरोधाभासी संदेश सामने आए। इससे साफ होता है कि डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाली नई कांग्रेस के लिए आव्रजन के मुद्दे पर कोई आम सहमति बनाना कितना मुश्किल होगा। आव्रजन का विषय लंबे समय से कांग्रेस के सामने सबसे जटिल मुद्दों में से एक रहा है।

देश में अवैध रूप से रह रहे लोगों को अपनी कानूनी स्थिति नियमित करने का रास्ता देने वाले किसी भी समझौते को अक्सर आव्रजन विरोधी आलोचक आम माफी का नाम दे देते हैं, लेकिन इसके समर्थकों का कहना है कि जो लोग सालों से अमेरिका में रह रहे हैं, जिन्होंने यहां काम किया है और अपने परिवार बसाए हैं, उन्हें भी अपनी स्थिति कानूनी रूप से मजबूत बनाने का अवसर मिलना चाहिए।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि कोई रियायत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी ने पूछा था कि क्या छूट मिलेगी नहीं, क्योंकि वे यहां आए थे और उन्हें कानून के बारे में पता था। ट्रंप ने अपने प्रशासन की निर्वासन नीति का बचाव करते हुए इसे बेहद मजबूत बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने आव्रजन नीति में बदलाव को लेकर अपने नए चीफ आफ स्टाफ स्टीफन मिलर से बात की है, तो ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कोई बात नहीं की है। मिलर उनके आव्रजन संबंधी सख्त कदमों के प्रमुख रणनीतिकार रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि मेरी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ध्यान सबसे खतरनाक अपराधियों को देश से बाहर निकालने पर रहेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। किसी बच्चे या बूढ़े के स्वास्थ को लेकर हुई परेशानी अप्रत्यक्ष रूप से आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन इससे अधिक रंगों से भरा कभी नहीं रहा है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी- लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाकात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। प्रेम-संबंध में गुलाम की तरह व्यवहार न करें। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। आज अपने ख़ूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर-स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। अपने जीवनसाथी के स्नेह से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

उम्रदराज़ लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठीक हो जाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा- कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ. आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आस-पड़ोस की किसी सुनी-सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल-का-ताड़ बना सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 नवंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया सायं 06:10 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा दोपहर 02:19 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 04:25 तक
करण : गर सायं 06:10 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक दोपहर 02:19 तक
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आदिवासी गांवों में मनाई अनूठी दिवाली

ग्रामीणों के बीच पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. विट्ठल पावड़े, ढेमसा और डंडार नृत्य के साथ मनाया दीपोत्सव



किनवट, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज के दौर में जहां शहर आधुनिकता की चकाचौंध और पटाखों की गूंज के बीच दीपावली मना रहे हैं, वहीं त्योहार की असली रोशनी दूरदराज के आदिवासी गांवों तक पहुंचाने की एक अनूठी पहल किनवट तहसील के पहाड़ी गांव वर्गुडा में देखने को मिली। बिना किसी राजनीतिक तामझाम और मंचीय औपचारिकताओं के कांग्रेस के नांदेड़ उत्तर जिला अध्यक्ष डॉ. विट्ठल पावड़े सीधे आदिवासी परिवारों के बीच पहुंचे और उनके सुख-दुख में सहभागी बनकर प्रकृति की गोद में अनूठा 'दिवाली संवाद' किया।घास की छत वाले मकान, चारों ओर फैले हरे-भरे जंगल और ऊंचाई पर बहने वाली इरा नदी इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाते हैं। कुंभ मेले नामक प्राकृतिक जलस्रोत के समीप पशुपालन पर निर्भर यह आदिवासी समुदाय आज भी प्रकृति के साथ गहरा संबंध बनाए हुए है। जहां अनेक लोग दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के लिए अपने घरों तक सीमित रहते हैं, वहीं डॉ. विट्ठल पावड़े ने आदिवासी भाइयों के साथ त्योहार मनाकर सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

इस अनूठी दीपावली पहल के अंतर्गत सभी ने एक स्थान पर एकत्रित होकर त्योहार मनाया। इस दौरान आदिवासी समुदाय की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने का अवसर मिला। रात में पारंपरिक ढेमसा और डंडार नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने भी ग्रामीणों के साथ भाग लिया और ढोल की थाप पर पारंपरिक नृत्य किया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने गांव की महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं से बातचीत कर उनकी दैनिक समस्याओं की जानकारी ली। महिलाओं ने पानी के लिए पैदल चलने की परेशानी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया।

जिला अध्यक्ष डॉ. विट्ठल पावड़े ने कहा कि आदिवासी भाइयों का प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने का अपना समृद्ध दृष्टिकोण है। हालांकि, उनके घरों तक सड़क, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। विकास की मुख्यधारा से इन गांवों को जोड़ने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष के. सूर्यकांत रेड्डी, आदिवासी नेता डॉ. पुंडलिक अमले, पीआर समिति के राज्य सचिव ईश्वर चव्हाण, कुणाल गजभरे, संतोष वडगीर, गांव के युवा वैभव एवं लिंगोजी सहित अन्य उपस्थित रहे।

दीपावली के दूसरे दिन डॉ. विट्ठल पावड़े, महिला प्रदेश सचिव नंदिनी टारपे, तहसील अध्यक्ष के. सूर्यकांत रेड्डी, पूर्व नगराध्यक्ष के. मूर्ति अण्णा, शहराध्यक्ष गिरीश नेमानीवार, ईश्वर चव्हाण, वसंत राठोड, सुभाष बाभुलकर, इशरत, किशन कोरडे, रामकिशन मडावी और रामराव सलामे सहित कांग्रेस पदाधिकारी तहसील के दहेगांव एवं खैरगुडा स्थित प्रकृति पूजक आदिवासी गांवों में पहुंचे। यहां भी उन्होंने आदिवासी समुदाय के साथ पारंपरिक ढेमसा नृत्य करते हुए दीपावली का पर्व मनाया।



काली माता पूजा के तीसरे दिन बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर देवी की आरती, नृत्य एवं सिंदूर अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदामारी, रामकृष्णपुर और मंचेरियल सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने देवी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन में रीना रानी दास, मालती मंडल, बोडा धर्मेंद्र, निकिता मंडल, पवित्रा, राम्या और सौजन्या सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।



निज़ामाबाद में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के आगमन पर, कांग्रेस पार्टी एसटी सेल के नगर अध्यक्ष सुभाष जाधव ने उन्हें दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कई कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल



डोंगली, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली मंडल केंद्र में संयुक्त मदनूर मंडल के बीआरएस कार्यकर्ताओं की बैठक पूर्व जुक्कल विधायक हनुमंत शिंदे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान मोगा, सोनाला, वाडी, लिंबर सहित विभिन्न गांवों के कांग्रेस और भाजपा के कई नेता एवं कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल हुए। हनुमंत शिंदे ने उन्हें गुलाबी दुपट्टा पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान करते हुए दावा किया कि आगामी चुनाव में तेलंगाना में बीआरएस की सरकार बनेगी।

प्रभात फेरी भक्तिमय उत्साह के साथ जारी



मदनूर, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक मास के अवसर पर मदनूर मंडल केंद्र में स्थानीय बालाजी मंदिर से प्रतिदिन निकाली जा रही 40 दिवसीय प्रभात फेरी भक्तिमय उत्साह के साथ जारी है। सुबह-सुबह श्रद्धालु गांव की गलियों में भगवान शिव का नाम जपते हुए भ्रमण कर रहे हैं। जगह-जगह श्रद्धालुओं का स्वागत, गुरुओं का सम्मान एवं चरण पूजन किया जा रहा है। इस प्रभात फेरी में एक बेजुबान कुत्ता विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बिना किसी के बुलाए यह कुत्ता प्रतिदिन श्रद्धालुओं के साथ कदम से कदम मिलाकर प्रभात फेरी में शामिल हो जाता है। उसके इस अनूठे व्यवहार ने ग्रामीणों को भावुक कर दिया है। इस मूक प्राणी ने बिना कुछ कहे प्रेम, समानता और करुणा का संदेश दिया है। उसकी सहभागिता ने लोगों को याद दिलाया कि ईश्वर की सृष्टि में प्रत्येक जीव समान है और सभी प्राणियों के प्रति दया एवं प्रेम रखना मानवता का सच्चा धर्म है।

थिर्री तिरुपति गौड़ प्रेस क्लब के महासचिव निर्वाचित



पेद्दापल्ली, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली प्रेस क्लब में बुधवार को आयोजित बैठक में थिर्री तिरुपति गौड़ को सर्वसम्मति से क्लब का महासचिव निर्वाचित किया गया। समिति के सदस्यों ने प्रस्ताव पारित कर उनके नाम पर मुहर लगाई। इस अवसर पर पत्रकारों एवं क्लब सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए पत्रकारों के कल्याण, एकता और प्रेस क्लब के विकास के लिए कार्य करने की उम्मीद जताई।

मारवाड़ी प्रगति समाज ने किया अन्नकूट प्रसाद का आयोजन



मंचेरियाल, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल शहर के गारमिल्ला स्थित हनुमान मंदिर में मारवाड़ी प्रगति समाज की ओर से अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमानजी की पूजा-अर्चना एवं आरती से हुआ। इसके बाद बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को अन्नकूट प्रसाद वितरित किया गया। समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बलदवा ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज के सचिव प्रेमराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी सहित पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नए उप-पंजीयक का अभिनंदन



पेद्दापल्ली, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली में नए उप-पंजीयक के रूप में कार्यभार संभालने पर बाकम ओमप्रकाश का तेलंगाना राज्याधिकारी पार्टी के जिला अध्यक्ष मुकुंद चंद्र यादव ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि ओमप्रकाश के कार्यकाल में पंजीकरण विभाग पारदर्शिता के साथ भ्रष्टाचार मुक्त एवं त्वरित सेवाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मेरुगु सतीश गौड़, जिला संयुक्त सचिव कम्पेली स्वामी, नगर अध्यक्ष वेंगला कृष्णा, मंडल अध्यक्ष कालाबोयिना संपत मुदिराज सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लॉज में पोकर अड्डे पर छापा, 10 गिरफ्तार



पेद्दापल्ली, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त के आदेश पर टास्क फोर्स और गोदावरीखानी वन टाउन पुलिस ने मंगलवार आधी रात को आईबी कॉलोनी स्थित विनायक रेजिडेंसी लॉज में अवैध पोकर अड्डे पर संयुक्त छापेमारी की। पुलिस ने पैसे लगाकर तीन पत्ती पोकर खेल रहे 10 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1,36,130 रुपये नकद और 10 मोबाइल फोन जब्त किए।

छापेमारी में टास्क फोर्स एवं नारकोटिक्स एसीपी श्रीनिवास राव, वन टाउन इंस्पेक्टर इंद्रसेना रेड्डी, टास्क फोर्स उपनिरीक्षक डिकोंडा रमेश और पुलिसकर्मी शामिल रहे।

गिरफ्तार आरोपियों में एस.एम. खान, टी. नरसिंघाराव, पी. तिरुपति, एम. कुमार, के. किरण, वी. सतीश, प्रवीण, आर. मणि, एस.के. भाषी और के. राजकुमार शामिल हैं। सभी आरोपियों को जब्त सामान के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए गोदावरीखानी वन टाउन पुलिस स्टेशन ले जाया गया। पुलिस ने अवैध जुआ एवं पोकर गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

फैशन और कारोबार छोड़ साध्वी बनेंगी संजना

25 वर्षीय एमबीए स्नातक 15 नवंबर को हैदराबाद में लेंगी जैन भागवती दीक्षा



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के भड़गांव की 25 वर्षीय संजना लुनावत ने सांसारिक जीवन, फैशन डिजाइनिंग और अपना बुटीक कारोबार छोड़कर जैन साध्वी बनने का निर्णय लिया है। एमबीए स्नातक संजना 15 नवंबर को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एग्जिबिशन ग्राउंड में आचार्य 1008 श्री ज्ञानचंद्रजी म.सा. के मार्गदर्शन में जैन भागवती दीक्षा ग्रहण करेंगी।

इस अवसर पर 14 और 15 नवंबर को दो दिवसीय दीक्षा महोत्सव आयोजित होगा, जिसमें 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। 14 नवंबर को ललित कला तोरणम से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें विंटेज कारें, घोड़े और पारंपरिक बैंड आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

प्रेस वार्ता में संजना ने बताया कि 12 वर्ष की आयु से ही उनका झुकाव जैन धर्म और दर्शन की ओर रहा है। उन्होंने कहा कि भौतिक सुख-सुविधाओं से भरी दुनिया में उन्हें वह खुशी और शांति नहीं मिल रही है, जिसकी उन्हें तलाश है। जैन साध्वी जीवन में उन्हें सच्ची शांति मिलने का विश्वास है। उन्होंने पिछले तीन वर्षों से कठिन साध्वी जीवन के लिए तैयारी की है।

महोत्सव के मुख्य संयोजक स्वरूपचंद कोठारी के अनुसार, संजना का निर्णय साहस, आत्मसंयम और आध्यात्मिक समर्पण का उदाहरण है। आयोजन समिति के संयोजक मनोज कोठारी ने बताया कि साध्वी जीवन में पांच महाव्रतों अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पालन करना होता है।

संजना की माता ममता ने बताया कि बेटी के निर्णय को स्वीकार करना परिवार के लिए भावनात्मक रूप से कठिन था, लेकिन उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति को देखते हुए परिवार ने समर्थन दिया। संजना के पिता कंवरलाल ऑटोमोबाइल व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस अवसर पर अध्यक्ष अन्नराज बाफना, मनोज कोठारी, पवन कटारिया, धर्मेंद्र नाहर, सज्जन गांधी सहित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, ग्रेटर हैदराबाद के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था की भावी रणनीति पर उच्चस्तरीय बैठक



गाजियाबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के भविष्य की रणनीति और संगठनात्मक विस्तार को लेकर संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक उच्चस्तरीय नीतिगत बैठक गाजियाबाद के मॉडल टाउन ईस्ट स्थित संस्था मुख्यालय से जूम के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखंड के पूर्व राज्यपाल एवं संस्था के राष्ट्रीय प्रशासनिक संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी, वित्त परिषद के राष्ट्रीय संयोजक राजन छिब्बर, दक्षिण भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव तथा उत्तर भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जनरल एम.एल. असवाल सहित दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष ब्रिगेडियर विपिन चक्रवर्ती और मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल केशरी सिंह उपस्थित रहे।

लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि अगले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए संस्था को राष्ट्रीय स्तर पर एक पेशेवर और संस्थागत रूप से टिकाऊ संगठन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने संस्था के विजन, मिशन, मूल्यों और कार्य-संस्कृति को एक स्थायी मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में तैयार करने का सुझाव दिया।

उन्होंने भविष्य के नेतृत्व को तैयार करने के लिए मार्गदर्शन व्यवस्था विकसित करने, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में सदस्यता अभियान चलाने तथा महानगरों में क्षेत्रीय समन्वय केंद्र स्थापित करने पर जोर दिया। इसके अलावा संगठन में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा शिक्षाविदों, शिक्षा विशेषज्ञों, उद्योगपतियों और सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों को संस्था से जोड़ने का सुझाव दिया।

वित्त परिषद के राष्ट्रीय संयोजक राजन छिब्बर ने बैठक को जानकारी दी कि संस्था के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत धनराशि जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन भी प्रस्तुत किया जा चुका है। मुख्यालय से आवश्यकता के अनुसार सभी इकाइयों को धनराशि जारी की जाएगी। दक्षिण भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) ने दक्षिण भारत में संस्था की गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव और प्रतिक्रिया प्रस्तुत की। इस दौरान उनके नेतृत्व में तेलंगाना टीम द्वारा 21 सितंबर 2026 को आयोजित संस्था के 19वें राष्ट्रीय अधिवेशन का भी उल्लेख किया गया। इस अधिवेशन का विषय 'विकसित भारत 2026 : पूर्व सैनिकों और देशभक्त नागरिकों की भूमिका' था।

मेजर जनरल श्रीनिवास राव और मेजर जनरल एम.एल. असवाल ने दक्षिण और उत्तर भारत के क्षेत्रों में नियमित बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। ब्रिगेडियर विपिन चक्रवर्ती ने दिल्ली में शीघ्र एक कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जबकि कर्नल केशरी सिंह ने मध्य प्रदेश में संस्था के विस्तार के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने मुख्य इकाई के साथ-साथ महिला, युवा, शिक्षा और खेल प्रकोष्ठों में नए सदस्यों को मनोनीत करने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन के विभिन्न विभागों को सक्रिय बनाकर संस्था की गतिविधियों और पहुंच का विस्तार करने पर जोर दिया।

बीकानेर में मुद्रा महोत्सव कल से, 100 से अधिक विशेषज्ञ होंगे शामिल



बीकानेर, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीकाणा न्यूमिसमेटिक सोसायटी की ओर से 13 नवंबर से गंगाशहर रोड स्थित जैन पब्लिक स्कूल के सामने अग्रवाल भवन में तीन दिवसीय भव्य मुद्रा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसमें देश-विदेश के 100 से अधिक मुद्रा संग्रहकर्ता एवं विशेषज्ञ भाग लेंगे। सोसायटी के अध्यक्ष किशन लाल सोनी ने बताया कि महोत्सव में प्राचीन एवं आधुनिक सिक्कों, दुर्लभ करेंसी नोटों, विभिन्न देशों की मुद्राओं, डाक टिकटों, माचिस संग्रह और ऐतिहासिक घड़ियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। आमजन अपने पुराने सिक्कों एवं नोटों के ऐतिहासिक और संग्रहणीय महत्व की जानकारी विशेषज्ञों से निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। सोसायटी के उपाध्यक्ष जसवंत पारख ने बताया कि महोत्सव में मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलूरु सहित देश के विभिन्न शहरों से विशेषज्ञ पहुंचेंगे। सचिव सुधीर लूणावत के अनुसार, इसमें बीकानेर सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों से लगभग 25 हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है।

शिव और कृष्ण में जब छिड़ गया संग्राम



भगवान श्री कृष्ण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भगवान विष्णु और शिव एक दूसरे के भक्त भी हैं। पुराणों में जो कथाएं मिलती हैं उनके अनुसार शिव को नहीं मानने वाला व्यक्ति विष्णु का प्रिय नहीं हो सकता। इसी प्रकार विष्णु का शत्रु शिव की कृपा का भागी नहीं हो सकता है। लेकिन एक घटना ऐसी हुई जिससे भगवान शिव और विष्णु के अवतार श्री कृष्ण युद्ध में आमने सामने आ गये, और छिड़ गया महासंग्राम।

पुराणों में शिव और श्री कृष्ण के बीच हुए युद्ध की जो कथा मिलती है उसके अनुसार। राजा बलि के पुत्र वाणासुर ने भगवान शिव की तपस्या करके उनसे सहस्त्र भुजाओं का वरदान प्राप्त कर लिया। वाणासुर के बल से भयभीत होकर सभी उससे युद्ध करने से डरते थे। इससे वाणासुर को बल का अभिमान हो गया।

वाणासुर की पुत्री उषा ने एक रात स्वप्न में श्री कृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध को देखा। उषा स्वप्न में ही अनिरुद्ध को देखकर उस पर मोहित हो गयी। उषा ने अपने मन की बात सखी को बतायी। सखी ने अपनी मायावी विद्या से अनिरुद्ध को उसके पलंग सहित महल से चुरा कर उषा के शयन कक्ष में पहुंचा दिया। अनिरुद्ध की नींद खुली तो उसकी नजर उषा पर गयी, अनिरुद्ध भी उषा के सौन्दर्य पर मोहित हो गया।

जब वाणासुर को पता चला कि उसकी पुत्री के शयन कक्ष में कोई पुरूष है तो सैनिकों को लेकर उषा के शयन कक्ष में पहुंचा। वहां पर वाणासुर ने अनिरुद्ध को देखा। वाणासुर के क्रोध की सीमा न रही और उसने अनिरुद्ध को युद्ध के ललकारा। वाणासुर और अनिरुद्ध के बीच युद्ध होने लगा। वाणासुर के सभी अस्त्र विफल हो गये तब उसने नागपाश में अनिरुद्ध को बांध कर बंदी बना लिया।

इस पूरी घटना की जानकारी जब श्री कृष्ण को मिली तो वह अपनी सेना के साथ वाणासुर की राजधानी में पहुंच गये। श्री कृष्ण और वाणासुर के बीच युद्ध होने लगा। युद्ध में अपनी हार होता हुआ देखकर वाणासुर को शिव की याद आयी जिसने वाणासुर को संकट के समय रक्षा करने का वरदान दिया था।



वाणासुर ने शिव का ध्यान किया तो शिव जी युद्ध भूमि में प्रकट हो गये। वाणासुर की रक्षा के लिए शिव ने श्री कृष्ण से कहा कि युद्ध भूमि से लौट जाएं अन्यथा मेरे साथ युद्ध करें। श्री कृष्ण ने शिव से युद्ध करना स्वीकार किया और छिड़ गया शिव एवं श्री कृष्ण के बीच महासंग्राम। श्री कृष्ण ने देखा कि शिव के रहते हुए वह वाणासुर को परास्त नहीं कर सकते तो उन्होंने शिव से कहा कि मेरे हाथों से वाणासुर का पराजित होना विधि का विधान है।

आपके रहते मैं विधि के इस नियम का पालन नहीं कर पाऊंगा श्री कृष्ण कि इन बातों को सुनकर भगवान शिव युद्ध भूमि से चले गये। इसके बाद श्री कृष्ण ने वाणासुर चार बाजुओं को छोड़कर सभी को सुदर्शन चक्र से काट दिया। वाणासुर का अभिमान चूर हुआ और उसने श्री कृष्ण से क्षमा मांगकर अनिरुद्ध का विवाह उषा से करवा दिया।

खोई योग्यता हासिल कराए ऑब्सिडियन

रत्न संसार

ऑब्सिडियन कुदरती काँच है और इसे ज्वालामुखी का ठंडा लावा कह सकते हैं। धनुष के बाणों और चाकुओं को तेज धार देने के लिए आगे लगने वाला स्टोन रहा है। यह आईने की भूमिका भी निभाता है। इसमें झाँक कर हर कोई अपनी खामियों की वास्तविक तस्वीर देख सकता है। अगर आप शर्मीले हैं या डरपोक तो समझिए ऑब्सिडियन खास आप के लिए ही उतरा है।

इसे एवेन्टुराइन और रोज क्वार्ट्ज के संग पहनने से दोहरा फायदा मिलता है।

ऑब्सिडियन का रंग काला और मटमैला होता है। कभी-कभार लाल, नीला और हरा भी हो सकता है। ये स्टोन वहाँ पाया जाता है, जहाँ ज्वालामुखी आते हैं। ऑब्सिडियन को ईमानदारी सच्चाई और सिन्सियरिटी यानी यथार्थ और निष्कपटता का नगीना मानते हैं। इसे अपने आसपास



रखने से अन्तर्मन में झाँकने का हुनर पनपता है। नतीजतन आप अपनी भूली-बिसरी योग्यताओं को फिर से हासिल करने लगते हैं।

यही नहीं, इससे नेगेटिव एनर्जी यानी नकारात्मक ऊर्जा से बचाव मुमकिन है। साथ-साथ आपके विचार और सोच निगेटिव नहीं हो पाते। यह आप के कदम जमीन पर जमाए रखता है। कुल मिला कर ऑब्सिडियन ताकत, स्टेमिना, टिकाऊपन, हिम्मत, आत्म नियन्त्रण और स्थिरता का भाव उभारता है।

जेमा रे थैरेपी के मुताबिक यह दर्द और खून के दौरे को ठीक करने में सहायता करता है। अगर आप के हाथ-पैर ठंडे रहते हैं तो ऑब्सिडियन से आपको अवश्य लाभ होगा। आमतौर पर, ऑब्सिडियन कारोबारियों और आविष्कारकों के लिए लकी समझा जाता है। वैसे, यह स्कॉर्पियो यानी वृश्चिक राशि का बर्थ स्टोन। इसका तत्व है आग। असल में, सोबर लुक के साथ उदासीन महसूस करने वालों को ऑब्सिडियन खूब रास आता है।

जब बद्रीनाथ में नहीं दिखेंगे भगवान

भगवान बद्रीनाथ का मंदिर नर नारायण पर्वत के बीच बसा हुआ है। द्वापर में यहां भगवान का विग्रह प्रकट हुआ और इसी रूप में भगवान यहां निवास करते हैं। कहते हैं कि कलियुग के अंत में नर-नारायण पर्वत एक हो जाएंगे। इससे बद्रीनाथ का मार्ग बंद हो जाएगा, लोग यहां भगवान के दर्शन नहीं कर पाएंगे।

भगवान नृसिंह का अद्भुत विग्रह

इस घटना से जुड़ी एक मान्यता है कि जोशीमठ में जहां शीतकाल में बद्रीनाथ की चलमूर्ति रहती है वहां भगवान नृसिंह का एक मंदिर है। जहां शालग्राम शिला में भगवान नृसिंह का एक अद्भुत विग्रह है। इस विग्रह की बायीं भुजा पतली है और समय के साथ यह और भी पतली होती जा रही है। जिस दिन इनकी कलाई टूट जाएगी उस दिन नर-नारायण पर्वत एक हो जाएंगे।

भगवान बद्रीनाथ का महत्व

कहते हैं कि जो बद्रीनाथ का दर्शन करता है उनका पुनर्जन्म नहीं होता है। यह भगवान विष्णु का दूसरा वैकुण्ठ यानी निवास स्थान है। इस धाम के विषय में पुराणों में उल्लेख मिलता है कि सतयुग में यहां भगवान विष्णु का साक्षात दर्शन हुआ करता था। शास्त्रों में वर्तमान बद्रीनाथ यानी बद्री विशाल धाम



को भगवान का दूसरा निवास स्थान बताया गया है। इससे पहले भगवान आदि बद्री धाम में निवास करते थे। और भविष्य में जहां भगवान का धाम होगा उसे भविष्य बद्री कहा गया है।

भगवान की आधी आकृति

भविष्य बद्री जोशीमठ से 6 मील की दूरी पर कैलास की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित है। यहां मंदिर के पास एक शिला है, इस शिला को ध्यान से देखने पर भगवान की आधी आकृति नजर आती है। जब यह आकृति पूर्ण रूप ले लेगी तब यहीं ब्रदीनाथ के दर्शन का लाभ प्राप्त किया जाएगा।

वास्तु और गृह निर्माण के साधारण नियम

वास्तु के साधारण नियमों का पालन यदि गृह निर्माण में किया जाए तो व्यक्ति निश्चित सफलता की ओर अग्रसर होता है, इसके विपरीत यदि इनका ध्यान न रखा जाए तो यह समस्याओं तथा विवाद का कारण बनता है।

- दक्षिण दिशा वरिष्ठ लोगों के लिए प्रशस्त है तथा शयन का स्थान है। यह स्थान गृहस्वामी का होता है तथा यहाँ से उसे आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है। इस स्थान की ऊर्जा उसे सम्पूर्ण परिवार का दायित्व उठाने में सहायता करती है। इस स्थान पर शयन कक्ष में यह सावधानी बरतनी चाहिये कि यहां बच्चों को स्थान नहीं दें, वे यहां सोकर जिद्दी व हठीले हो जाएंगे।
- पश्चिम दिशा विद्याभ्यास की दिशा है। यहाँ पर बच्चों को स्थान दिया जाना चाहिए, बच्चो को यहाँ स्थान दिए जाने से उनका मन पढ़ाई में लगता है तथा उनमें अधिकाधिक समय वहाँ व्यतीत करने की आदत डलती है, इससे उनका समय नष्ट नहीं होता, वे अनुशासन में आते हैं तथा उन्नति के अवसर बढ़ जाते हैं।
- उत्तर दिशा औषधि के लिए प्रशस्त है। यहाँ पर भारी निर्माण नहीं कराना चाहिए। यहाँ पर भूमिगत जल या बोरिंग कराना शुभ रहता है।
- पूर्व दिशा स्नान का स्थान है तथा यहाँ पर भी भारी निर्माण नहीं कराया जाना चाहिए।
- नैऋत्य दिशा में अतिरिक्त 'शयन कक्ष' बनाया जा सकता है तथा घर का भारी सामान, अलमारियां, गहने इत्यादि रखे जा सकते हैं।



- वायव्यकोण में धान्य प्रस्तावित होता है अर्थात् यहाँ पर भंडारण की व्यवस्था (भंडार गृह) की व्यवस्था होती है, यह स्थान उच्चाटन की प्रवृत्ति लाता है, अत: यहां पर कभी भी शयन कक्ष प्रस्तावित नहीं होने देना चाहिए, ना ही कभी यह स्थान बच्चों को दिया जाना चाहिए, वे दोस्तों में अधिक समय बिताने लगते हैं।
- ईशान कोण पूजा का स्थान है (देवगृह) तथा यहाँ भी भारी निर्माण वर्जित है, यहाँ पर भी भूमिगत जल या बोरिंग कराना शुभ होता है।
- अग्निकोण, रसोई के लिए प्रशस्त है तथा बिजली के मीटर एवं अन्य इलैक्ट्रिक उपकरणों को यहाँ स्थान दिया जा सकता है।
- अग्निकोण तथा पूर्व दिशा के मध्य का स्थान सत्य नामक नामक देवता का होता है और यह स्थान 'अनुसंधान एवं विकास' हेतु प्रयुक्त होता है, आधुनिक संदर्भ में यहाँ कम्प्यूटर को स्थान दे सकते हैं। प्रतिभा को उभारने में यह जगह मदद करती है। हालाँकि बच्चों व विद्याभ्यास दोनों हेतु पश्चिम दिशा मध्य ही श्रेष्ठ होती है, पर इस स्थान का भी उपयोग किया जा सकता है।
- पूर्व दिशा तथा ईशान दिशा के मध्य के स्थान का उपयोग किसी भी कार्य हेतु किया जा सकता है। 11. इशान दिशा में पूजा के नाम से भारी मंदिर नहीं बनाना चाहिये।
- वायव्य कोण से पश्चिम दिशा का स्थान रोदन का स्थान होता है, यहाँ पर व्यक्ति अपनी सम्पूर्ण भावनाओं को व्यक्त कर देता है, यहाँ पर भोजन, बैठक इत्यादि की व्यवस्था की जा सकती है।
- पश्चिम दिशा मध्य से नैऋत्य कोण तक स्थान विद्याभ्यास का होता है तथा यहाँ पर बच्चों के कक्ष के अंतर्गत पढ़ाई की टेबल प्रस्तावित की जा सकती है तथा कम्प्यूटर इत्यादि भी लगा सकते हैं। 14. नैऋत्य कोण से दक्षिण दिशा के मध्य 'पाखाने' या 'टॉयलेट' के लिए प्रस्तावित है, दक्षिण दिशा मध्य में शयन कक्ष बनाते समय संग में या अलग से शौचालय डाला जा सकता है। प्राचीन वास्तुशास्त्र में केवल वही जगह टॉयलेट के लिए बनाई गई है।
- मध्य स्थान या ब्रह्म स्थान खाली छोड़ा जाना चाहिए। आधुनिक परिस्थितियों में यदि सम्भव ना हो सके तो यहाँ भारी निर्माण न कराएं, न ही यहाँ पर खंभे इत्यादि खड़े किये जाएं और न ही यहाँ पर जल संग्रहण किया जाए। यहाँ पर लॉबी, खाली स्थान अत्यंत हल्की सजावट इत्यादि हो सकते हैं।

बेहतर हस्ताक्षर से पाएं करियर में उन्नति



अक्षर व साइन सही कर व्यक्तित्व को आकर्षक बनाया जा सकता है। ग्राफोलॉजी व ग्राफोथैरेपी के जरिए आप अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को भी कम कर सकते हैं व करियर में भी तरक्की पा सकते हैं।

ग्राफोलॉजी शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। 'ग्राफो' ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ है लिखावट या राइटिंग और 'लॉजी' शब्द का अर्थ है विज्ञान की शाखा। 'सिगनेचर' का अर्थ है साइन ऑफ नेचर। अक्षर व हस्ताक्षर बदलकर व सुधारकर आप कई प्रकार से लाभान्वित हो सकते हैं। यह ग्राफोथैरेपी कहलाता है।

आजकल कई बड़ी कंपनियां अपने यहां ग्राफोलॉजिस्ट रखती हैं। ग्राफोलॉजिस्ट कर्मचारियों की लिखावट विश्लेषित करके मैनेजमेंट को सुझाव देते हैं। ये सुझाव संस्था के लाभ को बढ़ाने में सहायक होते हैं। यदि आप किसी संस्था में कार्य करते हैं या आपका स्वयं का व्यापार है तो आप साइन को अधिक दर्शनीय व सुघड़ बनाकर अपने क्षेत्र में तरक्की पा सकते हैं।

कैसे हो आदर्श साइन :

- साइन अधिक से अधिक लंबे व सुस्पष्ट हो।
- आप हिन्दी में साइन करें या अंग्रेजी में, साइन का पहला अक्षर सबसे बड़ा, अलग व कलात्मक हो।
- साइन को लगभग 45 डिग्री का कोण बनाते हुए ऊपर की ओर जाते हुए होना चाहिए।
- जितनी लंबी साइन उतनी ही बराबर लंबी व समांतर लाइन साइन के नीचे अवश्य खींचें।
- साइन का कोई भी अक्षर नीचे वाली लाइन से न काटें।
- साइन करने के बाद या अंत में अनावश्यक बिन्दी न लगाएं।
- साइन के पहले अक्षर को गोल न करें।
- कभी भी जल्दबाजी में साइन न करें।
- रोज कम से कम एक पेज जरूर लिखें व अक्षरों को अधिक से अधिक स्पष्ट व सुन्दर बनाएं।

ग्राफोलॉजी इनमें भी है उपयोगी :-

- बॉस व मातहतों के संबंध सुधारने में।
- पति-पत्नी के संबंध बेहतर करने में।
- विद्यार्थियों को परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में।
- दोस्ती में प्रगाढ़ता बढ़ाने में।
- किसी भी कंपनी में रिक्रूटमेंट में।
- सही करियर ऑप्शन जानने में।



स्वस्तिक से पाएं सकारात्मक ऊर्जा

सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के तरीकों में स्वस्तिक का महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए स्वस्तिक ने मंगल चिन्हों में प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मंगल प्रसंगों के अवसर पर पूजा स्थान तथा दरवाजे की चौखट और प्रमुख दरवाजे के आसपास स्वस्तिक चिन्ह बनाने की परंपरा है। वे स्वस्तिक कतई परिणाम नहीं देते, जिनका संबंध प्लास्टिक, लोहा, स्टील या लकड़ी से हो। सोना, चांदी, तांबा अथवा पंचधातु से बने स्वस्तिक प्राण प्रतिष्ठित करवाकर चौखट पर लगवाने से सुखद परिणाम देते हैं, जबकि रोली-हल्दी-सिंदूर से बनाए गए स्वस्तिक आत्मसंतुष्टि ही देते हैं। अशांति दूर करने तथा पारिवारिक प्रगति के लिए स्वस्तिक यंत्र रवि-पुष्य, गुरु-पुष्य तथा दीपावली के अवसर पर लक्ष्मी श्रीयंत्र के साथ लगाना लाभदायक है। अकेला स्वस्तिक यंत्र ही एक लाख बोविस धनात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है। वास्तुदोष के निवारण में भी चीनी कछुआ ७०० बोविस भर देने की क्षमता रखता है, जबकि गणेश की प्रतिमा और उसका वैकल्पिक स्वस्तिक आकार एक लाख बोविस की समानता रहने से प्रत्येक घर में स्थापना वास्तु के कई दोषों का निराकरण करने की शक्ति प्रदान करता है।

गाय के दूध, गाय के दूध से बने हुए दही और घी, गोनीत, गोबर, जिसे पंचगव्य कहा जाता है, को समानुपात से गंगा जल के साथ मिलाकर आम अथवा अशोक के पत्ते से घर तथा व्यावसायिक केंद्रों पर प्रतिदिन छिटकाव करने से ऋणात्मक ऊर्जा का संहार होता है। तुलसी के पौधे के समीप शुद्ध घी का दीपक प्रतिदिन लगाने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

विंटर फैशन में फर का बोलबाला...

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, फैशन का अंदाज भी बदलने लगता है। सर्दियों में गर्म कपड़ों की जरूरत तो पड़ती ही है। लेकिन मॉडर्न युग में गर्म कपड़े जरूरत के अलावा फैशन के तौर पर भी खरीदे जाते हैं।



तभी तो रैंप पर भी मॉडल्स गर्म कपड़ों में अपने हॉट अंदाज का जलवा बिखेरती हुई नजर आती हैं। जहां तक बात फर ड्रेस की है तो यह हर साल ही फैशन में इन रहते हैं। फैशन डिजाइनर्स का भी मोह इनसे कभी नहीं टूटता। तभी तो इस साल भी कोट से लेकर स्टोल्स आदि में फर का प्रयोग भरपूर देखने को मिला। फर कोट तो हमेशा से ही महिलाओं की पहली पसंद रहे हैं। इसका मुख्य कारण है इनका गर्म होने के साथ-साथ स्टाइलिश होना। लेकिन इस बार फर कोट डिफरेंट वैरायटी व लेंथ में मौजूद हैं। फर कोट्स में मिंक कोट से लेकर फॉक्स फर कोट, लेदर कोट विद फर, लॉन्ग कोट विद फर कॉलर, ओवरसाइज फर कोट फैशन में इन हैं। वैसे इसके अतिरिक्त इस सर्दी में पैचवर्क भी फैशन में बना हुआ है। इसलिए कोट्स में पैचवर्क को विद फर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देखने में बेहद स्टाइलिश व आकर्षक लगता है। अगर आपको पूरी तरह फर पहनना पसंद नहीं है तो आप अपने लुक में फर का हल्का सा टच भी दे सकती हैं। मसलन, फर के स्टोल्स भी इस साल ट्रेंड में बने हुए हैं। इससे आप अपने लुक में एक नया निखार ला सकती हैं। साथ ही फर स्टोल्स को डिफरेंट तरीके से कैरी करके हर दिन एक नया लुक पा सकती हैं। इसके अतिरिक्त आजकल ड्रेसेज के सिर्फ कफ्स को आकर्षक बनाने के लिए उनमें फर का प्रयोग किया जा रहा है। इससे आपकी ड्रेस में फर का हल्का सा टच आ जाएगा। वैसे आप चाहें तो फर का प्रयोग बतौर एक्सेसरीज भी कर सकती है। इनमें फर बैग्स व बूट्स पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।आजकल मार्केट में फर आईटम्स लगभग हर कलर में अवेलेबल हैं। जहां तक बात फर स्टोल्स की है तो आप इनमें सिंगल कलर से लेकर ड्यूल शेड, मल्टीकलर, प्रिंटेड व स्ट्राइप्स इत्यादि पैटर्न आसानी से खरीद सकती हैं।

पॉप कलर्स के वूलन्स..



विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

फ्लाइट में कान दर्द से बचें...



आप जल्द और सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं और फ्लाइट से कहीं आने-जाने में आनंद भी आता है लेकिन जब आप टेक ऑफ और लेंड करते हैं तो कानों में काफी पीड़ादायक अनुभव होता है। असमान के दबावों के कारण प्राय: कान में दर्द होता है। जब प्लेन उतरता है तो कानों के पर्दे में दबाव बढ़ जाता है। फ्लाइट में कान दर्द से बचने के लिए कुछ तरीके हैं। नाक से ध्वनि यानी ब्लोइंग निकालें। कान के भीतर के वायु दबाव को आस-पास के वायु दबाव के बराबर करने के लिए यह सबसे आसान तरीका है। इससे बहुत जल्द कान दर्द से आराम मिलता है। हवाई यात्रा के दौरान अगर कान दर्द महसूस हो रहा हो तब मिठाई खाएं या चूसें और नाक से ध्वनि निकालें और मुंह में हवा भर कान में भरें। दवाब को नियंत्रित करें और इससे दर्द कम होगा। फ्लाइट से उतरने के दौरान यूस्टेकियन ट्यूब को अनब्लॉक करने के लिए यॉनिंग और स्वॉलोविंग मसल्स को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे कान दर्द से राहत मिलती है।

इस तरह न बैठें...



हर किसी के बैठने का तरीका अलग होता है। वैसे ज्यादातर लोग पैर क्रॉस करके बैठते है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पैर क्रॉस करके बैठना हमें बीमार बना सकता है। इस पोजीशन में बैठने से ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शरीर में खून का प्रवाह पैरों से ही दिल की तरफ होता है। पैर क्रॉस करके बैठने से खून को दिल तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। इससे पैरालिसिस भी हो सकता है। जब हम पैर क्रॉस करके बैठते है तो पैरीनील नर्व पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां सुन्न हो जाती हैं। ज्यादा समय तक पैर क्रॉस करके बैठने से रीढ़ की हड्डी में परेशानी हो सकती है। नसों में सूजन भी हो सकती है। नसों को नुकसान पहुंचता है और वे कमजोर हो जाती हैं।

दफ्तर में बहुत से लोग हफ्ते की छुट्टी के बाद भी थके हुए नजर आते हैं। कई बार दो दिन के वीकली ऑफ के बावजूद ताजगी महसूस नहीं होती। आपने कभी सोचा है कि आखिर इसकी क्या वजह है? आज के समय में नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है और थकान चरम पर पहुंच जाती है। थकान की ऐसी हालत मौत का कारण भी बन सकती है।

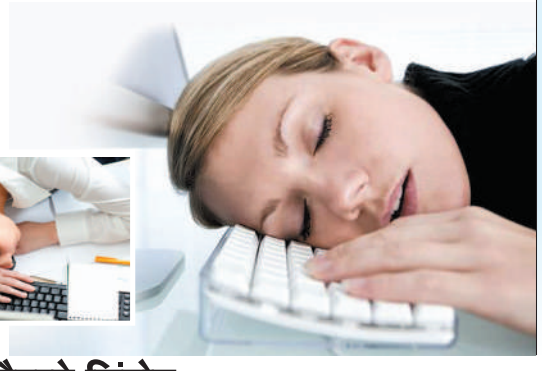


थकान से मौत...?

आजकल लोग छुट्टियों में भी देर रात तक फोन पर लगे रहते हैं। ऑफिस की ई-मेल पढ़ते हैं। घर पर रहते हुए भी कॉन्फ्रेंस कॉल निपटाते हैं। कुल मिलाकर छुट्टी के दिन भी लोग दफ्तर की जिम्मेदारियों को सिर पर सवार रखते हैं। ऐसे में जब वे दो दिन की छुट्टी के बाद दफ्तर आते हैं तो तरोताजा लगने के बजाय थके हुए नजर आते हैं। ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। कुछ लोग आगे बढ़ने के लिए अपने छुट्टी के दिन को भी कुर्बान करने को तैयार रहते हैं।

तो कुछ के लिए छुट्टी के दिन भी कंपनी का काम करना मजबूरी होती है। आज नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है। यह तनाव और थकान मौत का कारण भी बन सकती है। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेस के मुताबिक, काम के तनाव के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हर साल 300 अरब डॉलर का नुकसान होता है। ऑनलाइन ट्रैवेल कंपनी एक्सपेडिया के मुताबिक उसके केवल आधे कर्मचारी साप्ताहिक छुट्टी के बाद ताजगी के साथ दफ्तर आते हैं।





सैटरडे सिंड्रोम

ब्रिटेन में 'सैटरडे सिंड्रोम' की बड़ी चर्चा होती है, जब लोग अपने खाली वक्त में बीमार पड़ जाते हैं। वहीं अमेरिका में हफ्ते में साठ घंटे काम करने का चलन तनाव बढ़ा रहा है। लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। जापान में तो काम के बोझ के चलते मौत के लिए नया शब्द ही ईजाद कर लिया गया है-करोशी, यानी थकान से मौत। लोगों को हर वक्त फेसबुक स्टेटस या इंस्टाग्राम पर फोटो अपडेट करना होता है। यूं लगता है कि ऐसा नहीं किया तो मानों जिंदगी में कुछ नहीं किया। वैसे कुछ थके हुए लोगों के साथ कुछ ऐसे भी होते हैं जो छुट्टी के बाद एकदम तरोताजा नजर आते हैं। इनमें से कई तो ऐसे होते हैं जिनके ऊपर काम का बोझ ज्यादा होता है। आखिर क्यों कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं तो कुछ लोग ज्यादा काम होने पर भी ताजादम नजर आते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब लोग दफ्तर का तनाव घर ले जाते हैं तो यह आपके दिमाग को एक्टिव रखता है। उन बातों पर उसका ध्यान लगा रहता है, जिनसे आप दफ्तर में जूझते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं।





सब कुछ सोच पर निर्भर

बहुत दिनों से इस बात की तुलना की जा रही है कि जो लोग वीकेंड पर भी दफ्तर का काम निपटाते हैं और जो लोग छुट्टियों में पूरी तरह काम से दूर रहते हैं, उनमें क्या फर्क होता है? मगर इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। दो लोग अलग हालात में अलग तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। असल में सब कुछ हमारी सोच, हमारे दिमाग में होता है। जो लोग पॉजिटिव सोच वाले होते हैं उनके लिए घर पर भी दफ्तर का काम थकाने वाला नहीं होता। वहीं जो लोग नेगेटिव सोच वाले होते हैं, उनके लिए हर जगह, हर काम उबाऊ और थकाने वाला होता है। ये लोग छुट्टियों के दिन भी थकान उतारने में नाकाम रहते हैं। फिर दफ्तर लौटते हैं तो थके हुए नजर आते हैं। तनाव से निपटने का तरीका भी अलग-अलग हो सकता है।

लंबे समय से थकान

लंबे समय तक थकान से परेशान लोगों को न आसानी से नींद आती है और न ही आराम मिलता है। पिछले कुछ सालों से दुनिया भर में 30 से 45 आयु वर्ग के कामकाजी लोगों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। दो हफ्ते से अधिक की थकान की अनदेखी न करें ऐसी स्थिति में जीवनशैली में बदलाव करने की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। ऐसा नही होने पर इंसानी शरीर पर कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों से घिरने की आशंका बढ़ जाती है। स्टडी के अनुसार लंबे समय तक थकान महसूस होने से शरीर का रोग प्रतिरोधी सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में थकान से पीड़ित व्यक्ति अनचाहे रोगो का शिकार भी हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही थकान को क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम या सीएफएस का नाम दिया गया है। इसके मामले कुछ सालों में इतने बढ़ गए हैं कि बीते साल यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन ने इस पर लंबी रिपोर्ट पेश करते हुए इसको सिस्टेमेटिक एक्जरशन इनटॉलरेंस डिजीज का नया नाम दिया। सीएफएस के लक्षण कुछ इस तरह के हो सकते है। जैसे रुक रुक कर सिर दर्द होना, मांस पेशियों और जोड़ों में दर्द होना और मांसपेशियों में कमजोरी आना, मूड स्विंग होना और नींद ना आना जैसे लक्षण सामान्य होते हैं।

मन की थकान

कुछ लोग अपने जीवन में नित नई ऊर्जा भरते जाते हैं, आगे बढ़ते जाते हैं, तो कुछ लोग लगातार थकते जाते हैं और एक दिन इतना थक जाते हैं कि उनके जीवन से आनंद का रस ही खत्म हो जाता है। उन्हें किसी काम में मजा ही नहीं आता। यहां तक की उन्हें कोई नई बात कह भर दी जाए, तो वो आगबबूला हो जाते हैं। इसकी वजह है शरीर की थकान से भी खतरनाक मन की थकान। मन की यह थकान इतनी खतरनाक है कि उसके बाद सिवाय अवसाद के और कुछ जीवन में नहीं रह जाता। यह दुनिया वहीं है, लोग वहीं हैं, कुदरत वही है, लेकिन इसके बावजूद हमारे भीतर बहुत कुछ बदल रहा है। यह बदलाव यदि सकारात्मक है तो हम जीवन के उच्चतम स्तर को पाएंगे और इसके उलट यह बदलाव यदि नकारात्मक है तो एक दिन हम मन की थकान के उस आखिरी स्तर पर पहुंच जाएंगे जिसे अवसाद कहते हैं।

माहौल बदलें

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि कई बार थकान उतारने में भी लोग खीझ उठते हैं। उन्हें लगता है कि कितने दिनों से उन्होंने ई-मेल या सोशल मीडिया अकाउंट ही नहीं चेक किया। इससे भी उनका तनाव बढ़ सकता है। यानी कुछ लोगों के लिए खाली बैठना भी तनाव को दावत देने जैसा है। तो उन्हें कुछ न कुछ काम करते रहना चाहिए। जैसे कि योग या ध्यान करें। किसी खेल-कूद में मन लगाएं। दौड़ने ही निकल जाएं या जाकर पास के पार्क में टहलें। इससे तनाव कम करने में मदद मिलेगी। चीजों और माहौल को लेकर अपनी सोच में बदलाव लाना, तनाव कम करने के लिए बहुत जरूरी है। सोच में बदलाव लाने में थोड़ा वक्त लगता है। तीन से छह महीने भी लग सकते हैं। तब तक आप अपने आप को बदलने की कोशिश जारी रखिए। और हां, दफ्तर जाना मत छोड़िए क्योंकि रोज की दिनचर्या के साथ बदलाव आएगा तो ही वह स्थायी होगा। आपको तय करना है कि आप किस रास्ते चल रहे हैं और सच पूछिए तो इसे आप ही जान सकते हैं। दरअसल, आप क्या कर रहे हैं से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप किसी काम को किस मनोभाव के साथ कर रहे हैं।

स्क्रैच कार्ड से कैंसर का खतरा...



अगर आप अपना मोबाइल रिचार्ज करने के लिए प्रीपेड कार्ड का उपयोग करते हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि स्क्रैच कार्ड के लेप में मौजूद भारी धातुओं के शरीर में जाने से कैंसर होने का खतरा है। मोबाइल फोन के प्रीपेड ग्राहकों के लिए मोबाइल रिचार्ज करने का सबसे आसान तरीका प्रीपेड कार्ड है। यही वजह है कि तमाम लोग अपने पास इमरजेंसी के लिए प्रीपेड कार्ड रखते हैं। जैसे ही उनका बैलेंस खत्म होता है, तो वे प्रीपेड कार्ड को स्क्रैच करके अपने मोबाइल को रिचार्ज कर लेते हैं। हालांकि यह तरीका बेहद आसान है, लेकिन पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि कार्ड स्क्रैच करने से लोग कैंसर के शिकार हो सकते हैं।

खतरनाक धातुएं



असल में प्रीपेड रिचार्ज कूपन का स्क्रैचिंग एरिया सिल्वर नाइट्रिक ऑक्साइड से कोटेड होता है। साथ ही, कोटिंग सामग्री में कैडमियम और एल्युमिनियम भी होता है। ज्यादातर लोग रिचार्ज कार्ड को नाखून की मदद से ही स्क्रैच करते हैं। ऐसे में, कोटिंग सामग्री में मौजूद तमाम खतरनाक धातुएं नाखून में जमा हो जाती हैं। इसके बाद जब भी लोग खाना खाते हैं, तो नाखून में मौजूद ये कोटिंग सामग्री खाने के साथ या फिर स्मॉल बॉडी वेसेल्स के जरिए सीधे शरीर में पहुंच जाते हैं।

डीएनए को नुकसान

आजकल कई परीक्षाओं में भी विद्यार्थी अपने प्रश्नपत्रा या कॉपी नंबर को स्क्रैच करते हैं। इसके अलावा, आजकल कई कंपनियां अपने उत्पाद के साथ फ्री गिफ्ट वाले स्क्रैच कार्ड भी देती हैं। इन सभी लोगों के कैंसर का शिकार होने का खतरा काफी ज्यादा होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्क्रैच कोटिंग में पाए जाने वाले रसायन शरीर में जाने के बाद डीएनए को क्षतिग्रस्त कर देता है। थोड़े समय बाद शरीर में कैंसर एजेंट कार्सिनोजेन विकसित हो जाता है। इस वजह से ब्लैडर कैंसर, लिवर कैंसर या ब्लड कैंसर होने की आशंका रहती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस कैंसर का पता बहुत बाद में पता लगता है।

ग्लैडर कैंसर

डॉक्टर मानते हैं कि भारी धातुओं की वजह से ग्लैडर कैंसर के मरीज बहुत देखने में आते हैं। इस तरह का कैंसर बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसका पता काफी देर से चलता है। इसके डायग्नोसिस के लिए बायोप्सी का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा खून की जांच, पेशाब की जांच, इंडोस्कोपी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की मदद से भी इसका टेस्ट किया जाता है।

ऐसे बचें

कैंसर के खतरों से बचने के लिए बेहतर है कि कार्ड स्क्रैच करने के लिए हाथों जगह कोई दूसरी ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाए। अगर हाथों से स्क्रैच कर रहे हैं तो तुरंत अपने हाथ साफ करें। बेहतर होगा कि मोबाइल में रिचार्ज कराने के लिए ई रिचार्ज या फिर इंटरनेट रिचार्जिंग की सुविधाएं अपनाएं।



फोन तोड़ने में हम सबसे आगे...

मोबाइल फोन उपयोग के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, लेकिन फोन तोड़ने के मामले में भारत ने सबको पीछे छोड़ दिया है। भारत में कुल मोबाइल फोन ग्राहकों में लगभग दो तिहाई लोग अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इसमें भी रोचक तथ्य यह है कि भारत में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा मोबाइल फोन ज्यादा गिराती हैं। एक सर्वे के मुताबिक गिरकर खराब हुए मोबाइल फोन में 58 फीसदी मामले महिलाओं द्वारा फोन गिराने के रहे हैं।

आठ माह में ही टूटे फोन

एक ताजा सर्वे के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक लोगों के स्मार्टफोन की स्क्रीन अमूमन स्मार्टफोन खरीदने के आठ महीने के अंदर टूट जाते हैं। यात्रा करते समय, भीड़ से भरी ट्रेन या बस में चढ़ते या उतरते समय, कई काम एकसाथ करते समय, सेल्फी लेते समय अक्सर मोबाइल गिरकर टूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। गेजेट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सुरक्षा कंपनी 'आनसाइटगो' ने बीते एक साल के दौरान मरम्मत के लिए आए 4,000 से अधिक स्मार्टफोन के खराब होने के पीछे के कारणों का विश्लेषण किया। सर्वे के अनुसार, सेल्फी लेते समय फोन गिरने की घटना सर्वाधिक होती है और इसमें शायद ही किसी को यह मानने में परेशानी हो कि महिलाएं सेल्फी की दीवानी अधिक होती हैं।



जागरूकता की कोशिश

वास्तव में यह सर्वे मोबाइल फोन के प्रयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए तथा मोबाइल को टूटने से बचाने के लिए किया गया। अगर लोगों को समझाया जाए कि मोबाइल फोन कौन सी स्थिति में टूट सकता है तो वे उन परिस्थितियों में अधिक सतर्कता बरत सकते हैं। सर्वे में पाया गया कि मरम्मत के लिए आए सर्वाधिक स्मार्टफोन में स्क्रीन टूटने की समस्या रही। मोबाइल फोन की स्क्रीन गिरने से टूटती है। गोरिल्ला ग्लास जैसे अत्याधुनिक तकनीक और टेम्पर्ड ग्लास के उपयोग से स्क्रीन खराब होने का खतरा कम होता है फिर भी इससे पूर्ण सुरक्षा नहीं मिलती।



टूटे फोन का इस्तेमाल

सर्वे से मिले कुछ रोचक तथ्यों पर गौर करें तो 36 प्रतिशत भारतीय फोन की स्क्रीन के टूटने के बाद भी या उंगली कटने के बावजूद उसका प्रयोग करते रहते हैं। 37 प्रतिशत भारतीयों के मुताबिक मरम्मत का खर्च सर्वाधिक है। 50 प्रतिशत भारतीय तो अपनी ही गलती से मोबाइल खराब करते हैं। विश्वभर में 50 फीसदी से भी ज्यादा लोग अब तक कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। भारत में 65 फीसदी से भी ज्यादा मोबाइल फोन उपभोक्ता कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इस मामले में सबसे अच्छा रिकॉर्ड यूएस का है। यहां औसतन 34 फीसदी लोग अब तक कम से कम एक बार स्क्रीन तोड़ चुके हैं। 42 फीसदी लोग ऐसे हैं जो मोबाइल की स्क्रीन टूटने के बाद उसका रिपेयर कराते हैं। परंतु 23 फीसदी ऐसे लोग हैं जो टूटी स्क्रीन के साथ ही फोन का उपयोग करते हैं।

सेल्फी से संबंध

खास बात यह कही जा सकती है कि विश्वभर में सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ने का औसत 7 फीसदी है। जबकि इस मामले में भारत वैश्विक औसत से लगभग ढाई गुना आगे है। भारत में 17 फीसदी मोबाइल उपभोक्त ऐसे हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेल्फी अपलोड करने के क्रम में फोन तोड़ डाला। इससे पता चलता है कि भारत में सेल्फी का शौक किस कदर भारी पड़ा है। इस मामले में ब्राजील सबसे पीछे है वहां मात्र 3 फीसदी लोगों ने ही सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ा है। विश्वभर में 7 फीसदी ऐसे लोग हैं जिनका फोन सेल्फी लेने के दौरान गिरकर टूट गया है। वहीं 5 फीसदी ऐसे हैं जिनका फोन उस वक्त गिर कर टूटा जब वे किसी को दे रहे थे या किसी से फोन ले रहे थे। 32 फीसदी केस में लोगों के फोन पॉकेट से गिर कर टूट जाते हैं जबकि 27 फीसदी लोगों के फोन लेकर उठने-बैठने के दौरन गिर कर टूट जाते हैं।



शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये



स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

संपादकीय

ट्रम्प की मनमानी पर 'जनादेश'

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को लगा करारा झटका न केवल वाशिंगटन की सत्ता-संरचना, बल्कि वैश्विक कूटनीति के फलक पर भी एक निर्णायक मोड़ है। अमेरिकी संसद के दोनों सदनों- प्रतिनिधि सभा और सीनेट में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत हासिल करना स्पष्ट करता है कि अमेरिका की जनता ने ट्रम्प के निरंकुश और आक्रामक तौर-तरीकों को सिरे से खारिज कर दिया है। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के जिस नारे और लोकलुभावन वादों के सहारे ट्रम्प ने सत्ता में वापसी की थी, विडंबना यह है कि उन्हीं नीतियों ने आज उनकी लुटिया डुबोने का काम किया। यह जनादेश केवल किसी पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि एक व्यक्ति-केंद्रित और मनमानी शासन-शैली के विरुद्ध जनता का प्रत्यक्ष अविश्वास प्रस्ताव है। ट्रम्प की इस ऐतिहासिक पराजय की जड़ें उनकी गलत प्राथमिकताओं और मनमाने फैसलों में निहित हैं। शांति और घरेलू समृद्धि का सपना दिखाकर सत्ता में आए ट्रम्प ने विदेश नीति के मोर्चे पर बिना किसी दूरगामी योजना के ईरान के साथ टकराव का जो रास्ता चुना, वह उनके लिए आत्मघाती सिद्ध हुआ। 'अमेरिका फर्स्ट' के नाम पर दुनिया भर पर थोपे गए मनमाने टैरिफ ने दैनिक उपभोग की वस्तुओं को महंगा बनाकर घरेलू अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार की। अब सबसे बड़ा यक्ष-प्रश्न यह है कि क्या इस पराजय से ट्रम्प के स्वभाव, कार्यशैली अथवा राजनीति में कोई सकारात्मक बदलाव आएगा। उनका पुराना इतिहास और कार्यशैली ऐसे किसी बदलाव की उम्मीद को सिरे से खारिज करते हैं। वे मूलतः एक व्यवसायी हैं, जिन्होंने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए भी अपने निजी और वित्तीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। चूंकि यह उनका अंतिम कार्यकाल है और उन्हें पुनः चुनाव नहीं लड़ना है, इसलिए उन पर रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य या जनभावनाओं का कोई विशेष दबाव नहीं रहेगा। यह सच है कि दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण ट्रम्प के विधायी एजेंडे के सामने कदम-कदम पर अवरोध खड़े करेगा, लेकिन वे पूरी तरह पंगु नहीं हुए हैं। अमेरिकी संविधान राष्ट्रपति को व्यापक वीटो अधिकार देता है, जिसे निरस्त करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत डेमोक्रेट्स के पास नहीं है। ऐसे में पूरी आशंका है कि अपनी हार और विधायी अड़चनों से चिढ़े ट्रम्प कार्यकारी आदेशों के जरिए और अधिक मनमानी पर आमादा हो जाएं। घायल अहं के साथ ट्रम्प अमेरिकी लोकतंत्र के भीतर गहरे प्रशासनिक गतिरोध और दुनिया के लिए अप्रत्याशित संकट पैदा कर सकते हैं। इस बदलते राजनीतिक परिदृश्य का प्रभाव भारत पर भी पड़ना स्वाभाविक है। भारत के दृष्टिकोण से संसद में डेमोक्रेट्स का हावी होना एक मिली-जुली तस्वीर पेश करता है। ट्रम्प के अप्रत्याशित और एकतरफा व्यापारिक फैसलों तथा टैरिफ की मनमानी पर अब अमेरिकी कांग्रेस की कड़ी निगरानी रहेगी, जिससे भारतीय निर्यातकों को एक हद तक नीतिगत स्थिरता और राहत मिल सकती है। साथ ही, क्वाड और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संस्थागत सहयोग को डेमोक्रेट्स का स्वाभाविक समर्थन मिलता रहेगा। किंतु नई दिल्ली को यह भी भली-भांति समझना होगा कि रणनीतिक मुद्दों पर वाशिंगटन के रुख में रातो-रात कोई नरमी नहीं आने वाली। रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स का रुख लगभग एक समान है। भारत द्वारा रूस से रियायती कच्चे तेल के आयात पर अमेरिकी दबाव कम होने के आसार नहीं हैं, क्योंकि डेमोक्रेटिक पार्टी रूस पर प्रतिबंधों को और अधिक सख्त करने की पक्षधर रही है। कुल मिलाकर, मध्यावधि चुनाव के नतीजों ने ट्रम्प के पर कतरने और उनकी बेलगाम सत्ता पर विधायी लगाम लगाने का काम तो कर दिया है, लेकिन इससे वैश्विक राजनीति की अनिश्चितताएं कम नहीं हुई हैं। एक कमजोर और हताश ट्रम्प घरेलू मोर्चे पर जितने उलझेंगे, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी खीझ उतनी ही बढ़ सकती है। भारत को आने वाले दिनों में व्हाइट हाउस के साथ-साथ अमेरिकी संसद के नए शक्ति-संतुलन को अत्यंत परिपक्वता, सतर्कता और चतुराई के साथ साधना होगा।

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों- प्रतिनिधि सभा और सीनेट में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत हासिल करना स्पष्ट करता है कि अमेरिका की जनता ने ट्रम्प के निरंकुश और आक्रामक तौर-तरीकों को सिरे से खारिज कर दिया है। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के जिस नारे और लोकलुभावन वादों के सहारे ट्रम्प ने सत्ता में वापसी की थी, विडंबना यह है कि उन्हीं नीतियों ने आज उनकी लुटिया डुबोने का काम किया। यह जनादेश केवल किसी पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि एक व्यक्ति-केंद्रित और मनमानी शासन-शैली के विरुद्ध जनता का प्रत्यक्ष अविश्वास प्रस्ताव है। ट्रम्प की इस ऐतिहासिक पराजय की जड़ें उनकी गलत प्राथमिकताओं और मनमाने फैसलों में निहित हैं। शांति और घरेलू समृद्धि का सपना दिखाकर सत्ता में आए ट्रम्प ने विदेश नीति के मोर्चे पर बिना किसी दूरगामी योजना के ईरान के साथ टकराव का जो रास्ता चुना, वह उनके लिए आत्मघाती सिद्ध हुआ। 'अमेरिका फर्स्ट' के नाम पर दुनिया भर पर थोपे गए मनमाने टैरिफ ने दैनिक उपभोग की वस्तुओं को महंगा बनाकर घरेलू अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार की। अब सबसे बड़ा यक्ष-प्रश्न यह है कि क्या इस पराजय से ट्रम्प के स्वभाव, कार्यशैली अथवा राजनीति में कोई सकारात्मक बदलाव आएगा। उनका पुराना इतिहास और कार्यशैली ऐसे किसी बदलाव की उम्मीद को सिरे से खारिज करते हैं। वे मूलत: एक व्यवसायी हैं, जिन्होंने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए भी अपने निजी और वित्तीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। चूंकि यह उनका अंतिम कार्यकाल है और उन्हें पुन: चुनाव नहीं लड़ना है, इसलिए उन पर रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य या जनभावनाओं का कोई विशेष दबाव नहीं रहेगा। यह सच है कि दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण ट्रम्प के विधायी एजेंडे के सामने कदम-कदम पर अवरोध खड़े करेगा, लेकिन वे पूरी तरह पंगु नहीं हुए हैं।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन



के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है। किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है। एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो।

विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

देश दुनिया से

बच्चों की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

आज बच्चों की सुरक्षा का प्रश्न घर की चारदीवारी से लेकर स्कूल, सड़क, सार्वजनिक स्थान और डिजिटल दुनिया तक फैला हुआ है। आज बाल सुरक्षा का अर्थ केवल बच्चों को शारीरिक शोषण से बचाना नहीं, बल्कि उन्हें भावनात्मक, सामाजिक और डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षित वातावरण देना है। भारत में बच्चों की सुरक्षा के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। शारीरिक और यौन शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, असुरक्षित परिवहन तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बच्चों के अधिकारों और विकास को प्रभावित करती हैं। भारत में बच्चों की सुरक्षा के लिए कई कानूनी और संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम यानी पॉक्सो, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों को रोकने और उनसे जुड़े मामलों में कार्रवाई का कानूनी आधार प्रदान करता है। किशोर न्याय, बालकों की देखरेख और संरक्षण, अधिनियम, 2015 कानून से संघर्षरत बच्चों और देखरेख की जरूरत वाले बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास तथा पुनःसमाजीकरण की व्यवस्था करता है। वहीं, मिशन वात्सल्य बच्चों की देखभाल और संरक्षण से जुड़ी सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास है। इसके अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, 24 घंटे संकट में फंसे बच्चों तक सहायता पहुंचाने के लिए संचालित है और आपातकालीन सेवा 112 से एकीकृत है। सरकार ने 2025 में मिशन वात्सल्य पोर्टल को भी उन्नत किया, ताकि बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर हो सके। राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी की लॉबिंग फर्म ने भारत-अमेरिका लेकिन कानून और योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे जमीन पर बच्चों तक पहुंचें।



राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1,62,449 मामले दर्ज हुए। यह संख्या केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि सुरक्षा, जागरूकता और समय पर सहायता की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ उन परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है, जिनमें बच्चे स्वयं हिंसक व्यवहार की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। हाल के वर्षों में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर कम उम्र के बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, समूह में किसी बच्चे को निशाना बनाना और आक्रामक व्यवहार की खबरें चिंता पैदा करती हैं। हालांकि, ऐसी घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि 13 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों में हिंसा बढ़ रही है। इसके लिए आयु-विशिष्ट और तुलनात्मक राष्ट्रीय आंकड़ों की जरूरत है। फिर भी, किसी बच्चे का बार-बार हिंसक होना एक चेतावनी है, जिसे केवल अनुशासनहीनता कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसके पीछे उपेक्षा, घरेलू तनाव, बुलिंग, भावनात्मक कठिनाई, एकल परिवार, हिंसक सामग्री का संपर्क या साथियों का दबाव जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग की भूमिका पर भी संतुलित दृष्टि आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, एकल परिवारों में माता-पिता बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। अक्सर बच्चे टीवी और मोबाइल पर अपना समय व्यतीत करते हैं। परंतु ये दोनों ही गतिविधियां कई बार माता-पिता की निगरानी के बिना होती हैं। टीवी और डिजिटल मीडिया बच्चों को कुछ नया सीखने, रचनात्मकता और मनोरंजन के अवसर देते हैं, लेकिन बिना निगरानी के हिंसक सामग्री, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहार के लगातार संपर्क में रहना चिंता का विषय हो सकता है। यदि कोई बच्चा गेम में बार-बार हिंसा को समस्या सुलझाने का तरीका देखता है और फिर वास्तविक जीवन में किसी विवाद के दौरान उसी तरह प्रतिक्रिया करता है, तो अभिभावकों और शिक्षकों को उसके व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन केवल गेम पर प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चे को यह समझाना भी जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में दिखाई देने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में स्वीकार्य नहीं है। उम्र के अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइम की सीमाएं, ऑनलाइन मित्रों और चैट की निगरानी तथा खुले संवाद से जोखिम कम किया जा सकता है। इस जिम्मेदारी का पहला केंद्र परिवार है। माता-पिता बच्चों के लिए केवल नियम बनाने वाले नहीं, बल्कि उनके व्यवहार के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण भी हैं। घर में गाली-गलौज, अपमान, मारपीट या हर समस्या का समाधान गुस्से से करने का तरीका बच्चों पर असर डाल सकता है। बच्चे को सुनना, उसकी भावनाओं को पहचानना, गलती पर शांतिपूर्वक समझाना और हिंसा के बजाय संवाद का रास्ता दिखाना जरूरी है। यदि बच्चा लगातार चिड़चिड़ा, भयभीत, अलग-थलग या आक्रामक हो रहा है, तो उसे दंडित करने से पहले कारण समझने और आवश्यकता पड़ने पर परामर्श लेने की जरूरत है। स्कूलों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में बुलिंग-विरोधी स्पष्ट नीति, संवेदनशील शिक्षक, भरोसेमंद शिकायत व्यवस्था और काउंसलिंग की सुविधा होनी चाहिए। पड़ोस, खेल समूह, मीडिया संस्थान और डिजिटल प्लेटफॉर्म बच्चों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा दें। किसी बच्चे के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की घटना को "बच्चों की आपसी बात" कहकर टालना गलत है। बच्चे को सुरक्षित तरीके से बोलने का अवसर देना और उसकी शिकायत को गंभीरता से लेना समाज का दायित्व है। यह समझना आवश्यक है कि बाल सुरक्षा का अर्थ केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जहां जोखिमों को पहले पहचाना जाए, बच्चों की बात सुनी जाए और उन्हें सहायता मांगने का भरोसा मिले।

आप का नज़रिया

गरीबी उन्मूलन में ऐतिहासिक सफलता

विश्व बैंक की 'पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' (अक्टूबर 2026) के नवीनतम आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक परिदृश्य के उस ऐतिहासिक मोड़ को रेखांकित करते हैं, जिसकी प्रतीक्षा दशकों से थी। वर्ष 2011 से 2023 के बीच लगभग 49.6 करोड़ नागरिकों का 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठना और अत्यंत गरीबी का 27.1 प्रतिशत से घटकर महज 2.6 प्रतिशत पर सिमट जाना केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबी के खिलाफ लड़ी गई सबसे बड़ी और प्रभावी जंग का साक्षात प्रमाण है। विश्व बैंक ने भी इसे वैश्विक स्तर पर गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में स्थान देकर भारत के विकास मॉडल की प्रामाणिकता पर मुहर लगाई है। इस परिवर्तनकारी यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने गरीबी को केवल मौद्रिक आय के अभाव के रूप में नहीं देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक की आर्थिक नीतियों का केंद्रबिंदु गरीबों को सम्मान, सुरक्षा और बुनियादी संपत्तियों से लैस करना रहा। जनधन, डिजिटल पहचान और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) की पारदर्शी त्रयी ने बिचौलियों की संस्कृति को समाप्त कर सरकारी मदद को सीधे अंतिम व्यक्ति की पहुंच में ला खड़ा किया। आवास योजना का पक्का मकान, उज्ज्वला का धुआं-मुक्त चूल्हा, स्वच्छ भारत के शौचालय, हर घर नल का शुद्ध जल और आयुष्मान भारत का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच, इन सभी ने मिलकर निर्धन परिवारों को गरिमापूर्ण जीवन की ठोस बुनियाद दी। वैश्विक महामारी कोरोना, भू-राजनीतिक उथल-पुथल, वैश्विक महंगाई और ऊर्जा संकट के बावजूद यदि भारत की अर्थव्यवस्था अडिग रही, तो इसका श्रेय मजबूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर सरकारी पूंजीगत व्यय और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को जाता है। अंतरराष्ट्रीय तुलना के पैमाने पर देखें तो भारत की यह गति अद्वितीय नजर आती है। चीन ने बाजारोन्मुखी सुधारों के बाद लगभग चार दशकों में 77 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला था, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक ढांचे, सामाजिक विविधताओं और सीमित संसाधनों के बीच महज 12 वर्षों में लगभग आधी अरब आबादी को गरीबी की रेखा से ऊपर खींचने का अभूतपूर्व कीर्तिमान रचा। यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया है। जबकि कांग्रेस सरकारों के समय में 'गरीबी हटाओ' अभियान केवल चुनावी नारों तक सीमित था। बहरहाल, अब मोदी सरकार के सामने असली चुनौती इस उपलब्धि को स्थायित्व प्रदान करने की है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की रैंकिंग या वैश्विक आर्थिक कद से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक महानता इस बात से आंकी जाती है कि उसकी विकास यात्रा में कतार का आखिरी व्यक्ति कितना सक्षम, सुरक्षित और सशक्त बना है। गरीबी के अभिशाप से आधी अरब आबादी को मुक्त कराना निसंदेह नए भारत की सशक्त आधारशिला है; अब समय इस नींव पर आर्थिक अवसरों की समानता, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और उत्पादक रोजगार की ऐसी मजबूत इमारत खड़ी करने का है, जिससे विकास का उजाला हर चौखट तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचे।

वर्ष 2011 से 2023 के बीच लगभग 49.6 करोड़ नागरिकों का 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठना और अत्यंत गरीबी का 27.1 प्रतिशत से घटकर महज 2.6 प्रतिशत पर सिमट जाना केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबी के खिलाफ लड़ी गई सबसे बड़ी और प्रभावी जंग का साक्षात प्रमाण है। विश्व बैंक ने भी इसे वैश्विक स्तर पर गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में स्थान देकर भारत के विकास मॉडल की प्रामाणिकता पर मुहर लगाई है। इस परिवर्तनकारी यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने गरीबी को केवल मौद्रिक आय के अभाव के रूप में नहीं देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक की आर्थिक नीतियों का केंद्रबिंदु गरीबों को सम्मान, सुरक्षा और बुनियादी संपत्तियों से लैस करना रहा। जनधन, डिजिटल पहचान और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) की पारदर्शी त्रयी ने बिचौलियों की संस्कृति को समाप्त कर सरकारी मदद को सीधे अंतिम व्यक्ति की पहुंच में ला खड़ा किया। आवास योजना का पक्का मकान, उज्ज्वला का धुआं-मुक्त चूल्हा, स्वच्छ भारत के शौचालय, हर घर नल का शुद्ध जल और आयुष्मान भारत का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच, इन सभी ने मिलकर निर्धन परिवारों को गरिमापूर्ण जीवन की ठोस बुनियाद दी। वैश्विक महामारी कोरोना, भू-राजनीतिक उथल-पुथल, वैश्विक महंगाई और ऊर्जा संकट के बावजूद यदि भारत की अर्थव्यवस्था अडिग रही, तो इसका श्रेय मजबूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर सरकारी पूंजीगत व्यय और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को जाता है। अंतरराष्ट्रीय तुलना के पैमाने पर देखें तो भारत की यह गति अद्वितीय नजर आती है।

कुछ अलग

वाकई सत्यजीत

निर्देशक सत्यजीत रे अपने काम के प्रति ईमानदारी और भारतीय स्वाभिमान के लिए जाने जाते थे। उनकी शुरुआती कालजयी फिल्मों में से एक, 'पाथेर पांचाली' जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपार सफलता बटोर रही थी, तब यूरोप के एक प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में उन्हें आमंत्रित किया गया। उन्होंने सत्यजीत रे को सम्मान स्वरूप एक भारी पुरस्कार राशि और पश्चिम में ही बसकर काम करने का एक आकर्षक प्रस्ताव दिया। हालांकि, उस प्रस्ताव में एक शर्त छिपी हुई थी। आयोजकों ने उनसे कहा, 'यदि आप अपनी आगामी फिल्मों की कहानियों में भारतीय ग्रामीण जीवन की गरीबी को थोड़ा और अतिरंजित करके दिखाएंगे, तो पश्चिमी दर्शक इसे और अधिक पसंद करेंगे, जिससे आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़ा बजट मिलेगा।' सत्यजीत रे ने बिना एक क्षण गंवाए उस बड़े प्रस्ताव और पुरस्कार को तुरंत ठुकरा दिया।

दृष्टि कोण

मौजूदा लोकतंत्र में प्रासंगिक पंचतंत्र की शिक्षाएं

लुटियंस दिल्ली में हुए हालिया घटनाक्रम को याद करते हुए, शिक्षा-शास्त्र के प्राचीन ग्रंथ, पंचतंत्र की ओर ध्यान जाता है। यह हमें इन दिनों दुर्लभ सुकून और समझ प्रदान करता है। पंचतंत्र में पांच चक्र हैं, जो एक रहस्यमयी परतों में गुंथे हैं। इसकी लोकप्रियता कई पाठकों को इसे जानवरों की काल्पनिक कथाओं का संग्रह समझने पर मजबूर करती है, जिसमें जीवन जीने के ढंग सिखाने वाले मूल्य हैं। यह बात कुछ कहानियों के लिए सच हो सकती है, सबके लिए नहीं। इसीलिए कुछ चुनींदा कहानियां बच्चों के लिए बनी मानी जाती हैं। पंचतंत्र की ज़्यादातर कहानियों में एक गहरा राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश है जिसकी व्याख्या करना एक चुनौती है। इनका ताना-बाना भी कम महत्वपूर्ण नहीं। इसमें प्रतीकात्मक अर्थों की अनेक परतें हैं, और यही चीज़ कहानियों में है। वे हमें उन अलग-अलग पहलुओं को समझने में मदद करती हैं जिनसे आम लोग राज्य-व्यवस्था से जुड़े महसूस करें। नागरिक अथवा मानवाधिकारों का विचार आने से कहीं पहले लिखे गए 'पंचतंत्र' की बनावट, कहानियां और पात्र हमारी वर्तमान मुश्किलों से बहुत मिलते-जुलते हैं। अधिकार आधुनिक दुनिया में नागरिकता का एक आवश्यक अंग हैं, लेकिन वे अकेले ऐसी धुरी नहीं हैं जिससे नागरिक का राज्य-व्यवस्था से जुड़ाव हो। असल में, दार्शनिक नज़रिए से, राज्य लोगों से ही मिलकर बनता है, और उन्हीं की तरफ़ से राज्य-व्यवस्था के अधिक प्रत्यक्ष पदाधिकारी देश का कामकाज संभालते हैं। ह



भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, रविंद्र, डफी, कानवे और ब्लंडेल की वापसी

वेलिंगटन

भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में जैकब डफी, रचिन रविंद्र, डेवोन कानवे और टाम ब्लंडेल की वापसी हुई है।

रविंद्र, कानवे, और ब्लंडेल चोट और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। रचिन रविंद्र को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान दाएं कंधे में चोट लग गई थी। उनका कंधा अपनी जगह से खिसक गया था, जिसके कारण वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहे। वहीं, डेवोन कानवे शुरुआती वनडे से पहले लगी चोट के बाद उससे उबर रहे थे, जबकि टाम ब्लंडेल जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान थे।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड को 2-1 से टेस्ट सीरीज हराने वाली न्यूजीलैंड टीम से बेन सीयर्स, जैक फाल्क्स और विल ओरूर्क को बाहर रखा गया है। सीयर्स टखने और फाल्क्स कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि ओरूर्क वापसी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज के बीच में ही संन्यास ले लिया था। टाम लैथम की कप्तानी वाली टीम में जैकब डफी की भी वापसी हुई है। भारत के खिलाफ यह टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड के नए बल्लेबाजी कोच बीएल वाटलिंग के कार्यकाल की भी शुरुआत होगी। वह 16 नवंबर से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, यह सीरीज ब्लैककैप्स के लिए टेस्ट क्रिकेट के एक रोमांचक घरेलू सत्र की शुरुआत है। टीम लगभग वही है, जिसने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में मुकाबला किया था। ऐसे में दोबारा एक साथ खेलने और घरेलू मैदान पर उस सफलता को दोहराने की कोशिश करना अच्छा रहेगा।

उन्होंने कहा, मार्च तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले जाने हैं, इसलिए टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए मुकाबलों की कोई कमी नहीं होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक दांव पर होंगे, लेकिन हमारा ध्यान भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने पर रहेगा। न्यूजीलैंड की टीम फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड दिसंबर-जनवरी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीमः टाम लैथम (कप्तान), टाम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कानवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

न्यूज ब्रीफ

स्टार्क ने ख्वाजा के दावों को गलत करार दिया, खिलाड़ियों में तल्खी बढ़ी



सिडनी। पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा सैंडपेपरगेट (गेंद से छेड़छाड़) विवाद के मामले में किये दावों को लेकर अलग-थलग पड़ते जा रहे है। एक के बाद कई दिग्गज क्रिकेटरों ने ख्वाजा के दावों को गलत बताया है। ख्वाजा ने अपनी एक किताब में कहा था कि सभी को इस मामले की जानकारी थी पर तीन खिलाड़ियों को बलि का बकरा बना दिया गय था। वहीं अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने कहा है ख्वाजा अपनी किताब की बिक्री के लिए आधारहीन बातें का रहे है। इसी कड़ी में पूर्व बल्लेबाज डेरेन लेहमान के बाद अब तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें ख्वाजा ने कहा था कि 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपरगेट विवाद के बारे में पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। स्टार्क ने कहा है कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए अपने संयुक्त बयान पर बरकरार हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी थी। स्टार्क ने ख्वाजा के इन दावों पर ज्यादा ध्यान न देने की बात कही, लेकिन स्पष्ट किया कि समय के साथ उनकी राय में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं।

प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन के कारण कोच कैरिक को हटा सकता है मैनचेस्टर यूनाइटेड

लंदन। प्रीमियर लीग फुटबाल में मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबाल क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम के मुख्य कोच माइकल कैरिक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। क्लब प्रबंधन प्रीमियर लीग में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उनके विकल्प की तलाश में है, जिसने टीम रेलीगेशन जोन में आ गयी है लगातार खराब परिणामों के चलते कैरिक के कार्यकाल पर सवाल उठने लगे है। पिछले सप्ताहांत एस्टन विला के साथ 4-4 के ड्रा के बाद, मैनचेस्टर 18वें स्थान पर खिसक गया है, जो सबसे निचले क्लब क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक ऊपर है। यह स्थिति पिछले नाटिंघम फारेस्ट द्वारा मैनचेस्टर सिटी पर 3-1 की जीत के बाद और भी गंभीर हो गई, जिसने यूनाइटेड को सीधे रेलीगेशन के खतरे में डाल दिया। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के अनुसार कोच को हटाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है पर कहा जा रहा है कि संकेत मिलने लगे हैं। वहीं इस मामले की एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित प्रतिस्थापन पर काम शुरू हो चुका है और लिवरपूल के खिलाफ 13 दिनों में होने वाले अहम मुकाबले से पहले ही बदलाव किया जा सकता है। कैरिक के भविष्य पर अंतिम फैसला क्लब के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ और बहुमत के मालिक ग्लेजर परिवार की मंजूरी के बाद ही होगा।



पांड्या को ट्रेड , बोल्ट को रिलीज कर सकती है मुंबई इंडियंस : चोपड़ा

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए) के 2027 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस की टीम में संभावित बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके तहत ही आलराउंडर हार्दिक पांड्या का ट्रेड किया जा सकता है। पांड्या की कप्तानी में पिछले दो सत्रों में टीम को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके साथ ही उनका निजी योगदान भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। उन्होंने साथ ही पिछले सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को टीम से रिलीज करने के मुंबई इंडियंस के निर्णय का भी समर्थन किया। चोपड़ा ने कहा कि मुंबई इंडियंस के पास अनुभव और आक्रामक खेल का शानदार मिश्रण है, जिससे उनकी टीम काफी संतुलित दिखती है। उनके मुताबिक, अगर पिछला आईपीएल सीजन टीम की अपेक्षाओं के अनुरूप होता, तो शायद उन्हें किसी बड़े बदलाव की जरूरत महसूस नहीं होती। हालांकि, उन्होंने पांड्या के संभावित ट्रेड को एक महत्वपूर्ण कारक बताया, जो खिलाड़ियों को रिटेन या रिलीज करने संबंधी टीम के फैसलों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है। चोपड़ा ने कहा, अगर पिछले सीजन में सब कुछ योजना के मुताबिक होता, तो टीम को देखकर यही लगता कि बदलाव की क्या जरूरत है उनके पास संतुलन, अनुभव और आक्रामक खिलाड़ी हैं। तो फिर बदलाव क्यों शायद उन्हें एक-दो भारतीय स्पिनर या तेज गेंदबाज की जरूरत होती, जिसे वे आसानी से ढूँढ लेते। पर अभी सबसे ज्यादा चर्चा पांड्या के ट्रेड की हो रही है। उन्होंने संकेत दिया कि हार्दिक जैसे दुर्लभ खिलाड़ी के बदले में मुंबई इंडियंस को शायद दो अन्य उपयोगी खिलाड़ी मिल सकते हैं, जिससे टीम की गहराई और बढ़ सकती है।

लास एंजिलिस ओलंपिक 2028 : एथलेटिक्स में लागू होगी दोहरी क्वालिफिकेशन प्रणाली

नई दिल्ली

लास एंजिलिस में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए एथलेटिक्स की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया का ऐलान कर दिया गया है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने एथलेटिक्स स्पर्धाओं में खिलाड़ियों की एंट्री के लिए दोहरी क्वालिफिकेशन प्रणाली को मंजूरी दी है। इसके तहत ओलंपिक में उपलब्ध कुल कोटा स्थानों में से 40 प्रतिशत जगहें एंट्री स्टैंडर्ड हासिल करने वाले एथलीटों को मिलेंगी, जबकि शेष 60 प्रतिशत स्थान वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल की ओर से मंजूर इस व्यवस्था में क्वालिफिकेशन के मानकों, समय-सीमा और अलग-अलग स्पर्धाओं के कोटा स्थानों का विवरण जारी किया गया है। ओलंपिक 2028 में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं 15 से 30 जुलाई 2028 तक आयोजित होंगी।



एथलेटिक्स में होंगे 48 इवेंट्स, मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले की होगी शुरुआत

लास एंजिलिस ओलंपिक के एथलेटिक्स कार्यक्रम में कुल 48 स्पर्धाएं शामिल होंगी। इनमें पुरुषों के 23, महिलाओं के 23 और दो मिक्स्ड इवेंट्स होंगे। इस बार ओलंपिक में मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले को भी शामिल किया जाएगा। यह स्पर्धा पहले से मौजूद मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले के साथ एथलेटिक्स कार्यक्रम का हिस्सा बनेगी।

एंट्री स्टैंडर्ड हासिल करना ही ओलंपिक टिकट की गारंटी नहीं

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित एंट्री स्टैंडर्ड हासिल कर लेने भर से किसी एथलीट का ओलंपिक में स्थान पक्का नहीं होगा। यदि किसी स्पर्धा में तय मानक पूरा करने वाले खिलाड़ियों की संख्या उपलब्ध कोटा स्थानों से अधिक होती है, तो क्वालिफिकेशन अवधि के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीटों को ही प्राथमिकता मिलेगी। ऐसी स्थिति में वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर अतिरिक्त खिलाड़ियों को उस स्पर्धा में जगह नहीं दी जाएगी। यानी खिलाड़ियों को ओलंपिक में जगह बनाने के लिए निर्धारित मानक के साथ-साथ अन्य दावेदारों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी करना होगा।

अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए तय की गई क्वालिफिकेशन अवधि

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए क्वालिफिकेशन विंडो निर्धारित की है। इसका विवरण इस प्रकार है:

मैराथन: 1 नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2028 तक।

10,000 मीटर, कंबाइंड इवेंट्स, रेस वाक और रिले: 19 दिसंबर 2026 से 18 जून 2028 तक।

अन्य सभी ट्रैक और फील्ड इवेंट्स: 19 जून 2027 से 18 जून 2028 तक।

100 और 200 मीटर के लिए कड़े क्वालिफाइंग मानक

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने ट्रैक स्पर्धाओं के लिए भी एंट्री स्टैंडर्ड जारी कर दिए हैं। पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए 9.93 सेकंड का समय निर्धारित किया गया है, जबकि महिलाओं की 100 मीटर दौड़ के लिए 10.96 सेकंड का मानक रखा गया है। इसी तरह पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के लिए 19.95 सेकंड और महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के लिए 22.25 सेकंड का समय तय किया गया है। मैराथन में पुरुष एथलीटों को 2 घंटे 5 मिनट और महिलाओं को 2 घंटे 22 मिनट 20 सेकंड का समय हासिल करना होगा।

मैराथन और रेस वाक में इन प्रतियोगिताओं से भी मिलेगा टिकट

मैराथन स्पर्धा के लिए 19 मार्च 2028 तक की क्वालिफिकेशन सूची में शीर्ष 56 स्थान हासिल करने वाले एथलीटों को ओलंपिक के लिए क्वालीफाई माना जाएगा। इसके अलावा 9 अप्रैल 2028 को चीन में आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स रेस वाकिंग टीम चैंपियनशिप में हाफ मैराथन और रेस वाकिंग स्पर्धाओं में शीर्ष 12 स्थान हासिल करने वाले एथलीटों को भी सीधे ओलंपिक क्वालिफिकेशन मिलेगा।

रिले टीमों को क्वालीफाई करने के मिलेंगे दो मौके

रिले स्पर्धाओं के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। 22 और 23 अप्रैल 2028 को बहामास में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले प्रतियोगिता के जरिए शीर्ष 14 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियां (एनओसी) लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए अपना स्थान पक्का करेंगी। इस प्रतियोगिता में टीमों को क्वालीफाई करने के दो मौके दिए जाएंगे। यदि कोई टीम पहले दिन सफल नहीं हो पाती है, तो उसके पास दूसरे दिन भी ओलंपिक टिकट हासिल करने का अवसर रहेगा।

सचिन तेंदुलकर के 26 ऐतिहासिक बल्ले अब मुंबई क्रिकेट संग्रहालय में होंगे प्रदर्शित

मुंबई

भारतीय क्रिकेट की विरासत को सहेजने और खेल के इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने करियर के कुछ सबसे खास बल्ले और यादगार वस्तुएं मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 100 शतक लगाए थे। इन सभी वस्तुओं को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। इस विशेष संग्रह का अनावरण 16 नवंबर 2026 को एक समारोह में होगा।

यह तारीख सचिन तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के 13 वर्ष पूरे होने का भी प्रतीक है। उन्होंने 16 नवंबर 2013 को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 200वां टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। इस अवसर पर संग्रहालय में पहली बार अपनी तरह की एक विशेष प्रदर्शनी बैटोग्राफी शुरू की जाएगी। इसमें तेंदुलकर के करियर के 26 बल्लों के साथ उनसे जुड़ी कई महत्वपूर्ण यादगार वस्तुएं प्रदर्शित होंगी। बैटोग्राफी नाम जीवनी की अवधारणा से प्रेरित है। इसके माध्यम से मास्टर ब्लास्टर के क्रिकेट सफर को उन बल्लों की कहानी के जरिये प्रस्तुत किया जाएगा, जो उनके करियर के ऐतिहासिक और यादगार पलों के साक्षी रहे हैं। प्रत्येक बल्ला उनके शानदार करियर के एक खास अध्याय को दर्शाएगा। इससे क्रिकेट प्रेमियों को उनके रिकार्ड और उपलब्धियों के पीछे की कहानी को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

इस पहल पर मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, सचिन तेंदुलकर का भारतीय और विश्व क्रिकेट में योगदान उनके बनाए रिकार्ड से कहीं अधिक है। उनका सफर करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों की यादों में रचा-बसा है और ये बल्ले उस सफर की सबसे व्यक्तिगत धरोहरों में शामिल हैं। बैटोग्राफी के माध्यम से हम एमसीए संग्रहालय में एक अनूठा आयाम जोड़ रहे हैं। इससे आगंतुक उन उपलब्धियों के पीछे की कहानी को उन्हीं साधनों के जरिये अनुभव कर सकेंगे, जिनसे वे उपलब्धियां हासिल की गईं। हम सचिन के आभारी हैं कि उन्होंने अपनी इन बेशकीमती धरोहरों को एमसीए के साथ साझा करने का निर्णय लिया। इससे यह असाधारण विरासत आने वाली पीढ़ियों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी सुलभ बनी रहेगी।



'बैटोग्राफी' के जरिये दिखेगा मास्टर ब्लास्टर का क्रिकेट सफर, 16 नवंबर को होगा अनावरण

बल्लों के अलावा सचिन के करियर के महत्वपूर्ण अवसरों और उपलब्धियों से जुड़ी कई अन्य यादगार वस्तुएं भी प्रदर्शनी का हिस्सा होंगी। इनमें हेलमेट, जर्सी, नोट्स सहित अन्य संग्रहणीय वस्तुएं शामिल हैं। संग्रहालय में इसके लिए एक विशेष स्थान तैयार किया गया है, जो तेंदुलकर के असाधारण क्रिकेट सफर को समर्पित होगा। इस प्रदर्शनी के जरिये प्रशंसक उनके करियर के ऐतिहासिक पलों, उपलब्धियों और यादों को फिर से करीब से देख सकेंगे।

हरियाणा के मैदानों जैसे लगते हैं न्यूजीलैंड के मैदान : अंशुल कंबोज



हैम्लटन। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज न्यूजीलैंड के अपने पहले ही दौरे में खासे सफल रहे है। उन्हें खेलना मेजबान बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा है। अंशुल ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि न्यूजीलैंड के हालात हरियाणा के मैदानों से मेल खाते हैं। यहां का ठंडा मौसम वैसा ही लगता है जैसे की वह हरियाणा में सर्दियों में अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे हों। इस क्रिकेटर ने 13 साल की उम्र से ही लाहली में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। आकलैंड के ईडन पार्क और वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व की उछाल भरी पिचों पर पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में अंशुल का सामना कीवी बल्लेबाज कर नहीं पाये। उन्होंने पहले बदलाव के रूप में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को अपनी सटीक लाइन और लेंथ से खूब परेशान किया। कंबोज ने पहले मैच में 22 रन देकर दो और दूसरे मैच में 25 रन देकर दो विकेट हासिल किए, जो उनकी गेंदबाजी की धार को दिखाते हैं। कंबोज ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था।

पाकिस्तान ने अगले डब्ल्यूटीसी चक्र पर ध्यान देने युवाओं को शामिल किया : बाबर

चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत, यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। टेस्ट प्रारूप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण प्रबंधन की परेशानी बढ़ गयी है। यहां तक कि टीम मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ से तकरीबन बाहर हो चुकी है। ऐसे में अब पाक टीम ने भविष्य की तैयारी शुरू कर दी है। टीम के कप्तान बाबर आजम ने भी माना है कि डब्ल्यूटीसी चक्र में पाक की टीम काफी पीछे है और उसे केवल एक जीत मिली है। इससे वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। इससे उसकी फाइनल की उम्मीदें लगभग पूरी तरह से समप्त हो गयी हैं।



इसी को देखते हुए पाक टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जिससे अगले चक्र के लिए एक मजबूत टेस्ट इकाई तैयार की जा सके। बाबर ने साफ कर दिया है कि टीम का ध्यान अब पूरी तरह से अगले डब्ल्यूटीसी चक्र पर केंद्रित है। इसी को देखते हुए श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज शुरु की गयी है। उन्होंने बताया कि घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आधे दर्जन से अधिक नए और युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह दी गई है। टीम प्रबंधन भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है, ताकि आने वाले समय में एक संतुलित और प्रभावी टेस्ट टीम का निर्माण किया जा सके। कप्तान ने जोर देकर कहा, पाकिस्तान इस साल डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है। इसलिए अब टीम का ध्यान अगले चक्र पर है। उन्होंने यह भी कहा कि अब पुरानी बातों पर चर्चा करने के बजाय उनसे महत्वपूर्ण सबक लेने का समय है, ताकि उन गलतियों को दोहराया न जा सके। नए खिलाड़ियों को यह समझाया जाएगा कि टीम किस तरह का आक्रामक, सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना चाहती है। टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच एक मजबूत तालमेल बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और टीम को अगले स्तर तक ले जाने का पूरा अवसर मिल सके। इस नई रणनीति के तहत, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन एक मजबूत नींव रखने और आने वाले वर्षों के लिए एक स्थिर और सफल टेस्ट इकाई बनाने की उम्मीद कर रहा है। इसका अर्थ केवल जीतना नहीं है, बल्कि देश और विदेश दोनों जगह लगातार अच्छा प्रदर्शन करना, दबाव में बेहतर निर्णय लेना और खेल के तीनों विभागों में परिपक्वता दिखाना है। यह परिवर्तन केवल खिलाड़ियों को बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें खेल के प्रति मानसिकता और दृष्टिकोण में एक मौलिक बदलाव भी शामिल है। अगले कुछ महीनों में टीम का प्रदर्शन यह तय करेगा कि क्या यह नई दिशा पाकिस्तान क्रिकेट को टेस्ट प्रारूप में उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा वापस दिलाने में सफल होगी।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः लिंडा नोस्कोवा ने कोको गाफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

इंडियन वेल्स

विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोको गाफ को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, जेसिका पेगुला ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को हराकर अंतिम चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त नोस्कोवा ने ग्रुप-1 के मुकाबले में गाफ को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। उन्होंने गाफ की कमजोर सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में चार बार उनकी सर्विस तोड़ी और 6-3 से सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट की शुरुआत में भी नोस्कोवा ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मैच में अपना नौवां ऐस लगाते हुए मुकाबला समाप्त किया और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

जीत के बाद नोस्कोवा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। इस प्रतियोगिता में हर जीत महत्वपूर्ण है। कोको एक बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुझे आज हर तरह की चुनौती के लिए तैयार रहना था।

उन्होंने कहा, कोको के खिलाफ आखिरी अंक तक खेलना होता है, क्योंकि वह अपनी सर्विस और संघर्ष करने की क्षमता से किसी भी समय वापसी कर सकती हैं। मुझे लगा कि मैंने उन पर दबाव बनाने के लिए शानदार खेल दिखाया।

नोस्कोवा ने अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबले में यूक्रेन की कोस्त्युक को भी हराया था।

पेगुला ने कोस्त्युक को हराकर उम्मीदें रखीं कायम

दूसरी ओर, अमेरिका की जेसिका पेगुला ने उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में कोस्त्युक को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार के साथ कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब ग्रुप-1 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी के लिए कोको गाफ और पेगुला के बीच मुकाबला होगा।



पेगुला को अपने शुरुआती मुकाबले में गाफ के हाथों हार मिली थी। लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए कोस्त्युक को मात दी।

जीत के बाद पेगुला ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रही हूं। कोको के खिलाफ मेरा मुकाबला काफी उच्च स्तर का था और आज का मैच भी शानदार रहा।

कोस्त्युक की खेल शैली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, उनके खिलाफ खेलना काफी मुश्किल है, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगले पल क्या होने वाला है। वह अचानक तेज शाट खेलने लगती हैं, नेट पर आ जाती हैं, रिटर्न पर आक्रामक हो जाती हैं या उनकी सर्विस शानदार होने लगती है। यही वजह है कि उनके खिलाफ खेलना कठिन होता है।

दूसरे सेट में पेगुला ने दिखाया धैर्य

32 वर्षीय पेगुला ने पहले सेट में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले और सातवें गेम में कोस्त्युक की सर्विस तोड़कर सेट 6-2 से जीत लिया।

दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक हो गया। शुरुआत में लगातार चार बार सर्विस ब्रेक हुईं। इसके बाद कोस्त्युक ने अपनी सर्विस बचाते हुए 3-2 की बढ़त बना ली। अगले गेम में यूक्रेनी खिलाड़ी के पास पेगुला की सर्विस तोड़ने का मौका था, लेकिन वह ब्रेक प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सकीं। पेगुला ने सर्विस बचाकर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद अगले चार गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बरकरार रखी। निर्णायक मोड़ 11वें गेम में आया, जब पेगुला ने कोस्त्युक की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने चौथे ब्रेक प्वाइंट पर सफलता हासिल करते हुए 6-5 की बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस बचाकर मुकाबला जीत लिया। कोस्त्युक के फोरहैंड शाट के कोर्ट से बाहर जाने के साथ ही पेगुला की जीत पक्की हो गई।



तेलंगाना बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने छठ पूजा में बिहार, यूपी, झारखंड एवं पूर्वांचलवासियों से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। विधायक राजशेखर रेड्डी, कॉरपोरेटर राजलक्ष्मी, रामू यादव, सरवन कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगों को पूजा में भाग लेने का निमंत्रण दिया गया। अवसर पर पंचम भगत, दिनेश यादव, सुनील ठाकुर, अरविंद यादव, विकास, कल्लू, बिट्टू एवं अन्य उपस्थित रहे।

200 महिलाओं को बीमा कार्ड वितरित



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)जियागुड़ा डिवीजन के केशवस्वामी नगर में टीडीपी नेता कलेरू नर्सिंग राव ने 'अंकिता' स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से लगभग 200 महिलाओं को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के कार्ड वितरित किए। कार्यक्रम में पूर्व कॉरपोरेटर बोहिनी दर्शन, वरिष्ठ भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण एवं संस्था के हैदराबाद-रंगारेड्डी समन्वयक के. ब्रह्माम उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

निस्वार्थ सेवा में ही ईश्वर की सच्ची आराधना : हरीश तोलाराम हिंदूजा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए हरीश तोलाराम हिंदूजा ने कहा कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा करना ईश्वर की अनमोल देन है। सेवा का अवसर हर किसी को नहीं मिलता, बल्कि यह सौभाग्य उन्हीं लोगों को प्राप्त होता है जिनके मन में दूसरों के प्रति प्रेम, करुणा और संवेदना का भाव होता है।उन्होंने कहा कि मानव जीवन तभी सार्थक बनता है जब व्यक्ति अपने सुख के साथ दूसरों की जरूरतों और परेशानियों को भी समझे। भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना और किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा है। अन्नसेवा केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं, बल्कि प्रेम, अपनत्व और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला पुनीत कार्य है।इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मूंदड़ा एवं हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर अन्नसेवा में सहभागिता निभाई और मानव सेवा के इस पुनीत संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

वृद्धाश्रम सेवा अभियान परियोजना को जिज्ञासा राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार

हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जी.डी.सी. खैरताबाद में आयोजित जिज्ञासा राज्यस्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में शासकीय डिग्री कॉलेज (जी.डी.सी.) फलकनुमा, हैदराबाद की टीम ने उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. कोडंदराम को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों की प्रतिभागी टीमों की उपस्थिति में उत्कृष्ट परियोजनाओं को सम्मानित किया गया।





शासकीय डिग्री कॉलेज फलकनुमा की ओर से जिज्ञासा परियोजना के अंतर्गत प्रस्तुत वृद्धाश्रम सेवा अभियान : एक अध्ययन नामक शोधपरक परियोजना को राज्यस्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि के लिए महाविद्यालय की टीम को 18,000 की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार के मार्गदर्शन तथा जिज्ञासा परियोजना के पर्यवेक्षक डॉ. बाबूराव के निर्देशन में पांच विद्यार्थियों ने इस परियोजना पर कार्य किया। पुरस्कार प्राप्त करने वाली टीम में लोकेश राज, नवीन, विनय, नईम एवं ज्योति प्रजापति शामिल रहे। इन विद्यार्थियों ने वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की सामाजिक, भावनात्मक एवं पारिवारिक परिस्थितियों का अध्ययन किया। इसके माध्यम से उन्होंने समाज में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सेवा भावना विकसित करने का संदेश दिया।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों की समस्याओं को समझना, उनके प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का बोध कराना तथा युवाओं में मानवीय मूल्यों और सेवा भावना को प्रोत्साहित करना है। विद्यार्थियों ने अपने अध्ययन के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके सम्मान, देखभाल तथा भावनात्मक सहयोग की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार ने टीम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में शोध, सामाजिक जागरूकता एवं रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए जिज्ञासा जैसे कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने परियोजना पर्यवेक्षक डॉ. बाबूराव तथा सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परियोजना पर्यवेक्षक डॉ. बाबूराव ने इस सफलता का श्रेय प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार के प्रोत्साहन, विद्यार्थियों की मेहनत, टीम भावना एवं जिज्ञासा कार्यक्रम से जुड़े सभी सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है।

जी.डी.सी. फलकनुमा की इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी तथा उन्हें सामाजिक सरोकारों से जुड़े शोध एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

सकारात्मक सोच से तनाव पर नियंत्रण संभव : संजय शर्मा

एसएसबी जवानों के लिए तनाव प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



सोनापुर, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। असम के गुवाहाटी के समीप प्रथम वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर में जवानों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए तनाव प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, तिरुपति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा (जयपुर) ने मुख्य वक्ता के रूप में जवानों को संबोधित किया। कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में संजय शर्मा ने ड्यूटी एवं दैनिक जीवन में होने वाले मानसिक तनाव के कारणों और उससे निपटने के उपायों की जानकारी दी।

उन्होंने सकारात्मक सोच, मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और तनावमुक्त जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्षमता एवं मनोबल बढ़ाने के उपयोगी सुझाव दिए। साथ ही आध्यात्मिक संतश्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के जीवन एवं विश्व कल्याण के लिए उनके योगदान की जानकारी दी।

संजय शर्मा ने सनातन संस्कृति और गौमाता के महत्व पर भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के सिद्धांत मानसिक एवं शारीरिक कल्याण तथा संतुलित जीवन के लिए प्रेरणादायी हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य जवानों को मानसिक तनाव से निपटने के लिए जागरूक करना और उनके समग्र कल्याण को प्रोत्साहित करना रहा।

'अनंत रूपा सरस्वती' पुस्तक का लोकार्पण

'विद्यारथ' संस्था का शुभारंभ, साहित्यकारों ने किया काव्य पाठ

हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी साहित्य भारती की अंतरराष्ट्रीय तेलंगाना इकाई एवं हिंदी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी महाविद्यालय के विशाल सभागार में साहित्यिक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नि:शुल्क शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'विद्यारथ' संस्था का शुभारंभ किया गया। साथ ही कवयित्री उमादेवी सोनी के प्रथम काव्य संग्रह 'अनंत रूपा सरस्वती' का लोकार्पण किया गया।



कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलंगाना हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह नयन ने की। मुख्य अतिथि मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के परामर्शदाता प्रो. ऋषभदेव शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर ठुबे रहे। डॉ. सुरभि दत्त ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. राजीव सिंह नयन ने 'विद्यारथ' के उद्देश्यों और कार्ययोजना की जानकारी दी। इस अवसर पर समाजसेवी जी. रवि यादव एवं श्रीमती श्रीलता को 'विद्यार्थी रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। शंखनाद के साथ संस्था का शुभारंभ हुआ।

पुस्तक परिचय देते हुए डॉ. सुरभि दत्त ने बताया कि 'अनंत रूपा सरस्वती' में मां सरस्वती के विभिन्न स्वरूपों को दर्शाती 42 छंदबद्ध एवं भावपूर्ण रचनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक ज्ञान, विवेक और मानवीय मूल्यों के माध्यम से विश्व में शांति एवं सद्भाव का संदेश देती है। मुख्य अतिथि प्रो. ऋषभदेव शर्मा, डॉ. भास्कर ठुबे और डॉ. राजीव सिंह नयन ने कृति की सराहना करते हुए इसे साहित्य एवं समाज में संस्कारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कवयित्री उमा देवी सोनी ने अपनी रचना प्रक्रिया के अनुभव साझा किए। संगीतज्ञ डॉ. शुभ्रा महंतो ने पुस्तक से सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विभिन्न संस्थाओं की ओर से कवयित्री को सम्मानित भी किया गया।

समारोह के अंतिम चरण में डॉ. ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी आयोजित हुई, जिसका संचालन चंद्रप्रताप सिंह ने किया। कवियों ने ओज, शृंगार एवं प्रेरणादायी रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

इस अवसर पर श्याम सुंदर मूंदड़ा, प्रदीप कुमार दत्त, प्रतिमा सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक दीक्षित, डॉ. दयाशंकर प्रसाद, श्रुतिकांत भारती, सुनीता लुल्ला, सरिता सुराणा, किरन सिंह, डॉ. किरण शास्त्री, सुहास भटनागर, सरिता दीक्षित, शुभ्रता महंतो, कृष्णा दीक्षित, वकील पांडेय, विद्या दवे श्रीमाली, शकुंतला एवं शोभा देशपांडे सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।

डॉ. शेख यासिर और मित्रा जॉन शिक्षा उत्कृष्टता सम्मान



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में लर्नर्स एकेडमी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के संस्थापक एवं सचिव डॉ. शेख यासिर ऐमान तथा सेंट पॉल्स हाई स्कूल, गांधीनगर के प्रशासनिक अधिकारी मित्रा जॉन बनियन को मौलाना अबुल कलाम आजाद एक्सीलेंस अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया।

तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. एटिकाला पुरुषोत्तम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षा, राष्ट्रीय एकता और तार्किक चिंतन को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

प्रो. श्रीराम वेंकटेश ने दोनों शिक्षाविदों को शॉल, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. राज नारायण मुदिराज, डॉ. अख्तर अली, प्रो. शकीला कन्नम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इंटरमीडिएट...

यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालय (वाईआईआईआरएस) परियोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि भूदृश्य निर्माण, आंतरिक सज्जा, डिजिटल उपकरणों, खेल सामग्री और रसोई सुविधाओं की खरीद के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों का चयन किया जाए। इन कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद कोर अर्बन रीजन (क्योर) पहल के तहत स्कूलों के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और अब तक हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को उन स्थानों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, जहां अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

तकनीकी शिक्षा पर जोर

तकनीकी शिक्षा की समीक्षा करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उन्नत प्रशिक्षण केंद्रों (एटीसी) में परिवर्तित करने से विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि हुई है। उन्होंने प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने पॉलिटेक्निक कॉलेजों के उन्नयन के लिए धनराशि जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा विभागीय स्तर पर आने वाली किसी भी बाधा की जानकारी सीधे उन्हें देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों, एसोसिएट प्रोफेसरों और अन्य शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को भर्ती प्रक्रिया पर विशेष ध्यान देने तथा निर्धारित नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

ओवैसी...

दूसरी ओर असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी उत्तर प्रदेश में पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी है। 2017 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 38 सीटों पर चुनाव लड़ा था। पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई, लेकिन उसे करीब 2.04 लाख वोट मिले।

इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने लगभग 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। इस चुनाव में पार्टी को करीब 4.5 लाख वोट मिले, लेकिन विधानसभा में उसका खाता नहीं खुल सका।

इस प्रकार दोनों चुनावों के बीच एआईएमआईएम के कुल वोटों में दोगुने से अधिक की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, इसी दौरान पार्टी द्वारा लड़ी गई सीटों की संख्या भी बढ़ी थी। इसलिए कुल वोटों में बढ़ोतरी को सीधे मतदाताओं के समर्थन प्रतिशत में उतनी ही वृद्धि नहीं माना जा सकता।

क्या बदलेगा 2024 का समीकरण?

2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था। अब 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद का प्रस्तावित गठबंधन विपक्षी खेमे के सामने एक नया राजनीतिक समीकरण पेश कर रहा है। दोनों दल दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि, इन समुदायों के मतदाता अलग-अलग राजनीतिक दलों, स्थानीय उम्मीदवारों और मुद्दों के आधार पर मतदान करते हैं। ऐसे में यह मानना सही नहीं होगा कि दोनों समुदायों का पूरा वोट किसी एक गठबंधन को मिल सकता है।

तीसरे मोर्चे का चुनावी असर इस बात पर निर्भर करेगा कि वह किन सीटों पर उम्मीदवार उतारता है, उसके प्रत्याशियों का स्थानीय जनाधार कितना मजबूत है और दोनों दल अपने-अपने समर्थकों के बीच कितना तालमेल बना पाते हैं। गुरुवार को प्रस्तावित औपचारिक घोषणा के बाद गठबंधन की सीटों और रणनीति को लेकर तस्वीर अधिक स्पष्ट हो सकती है। फिलहाल उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे की तैयारियों ने राजनीतिक मुकाबले में एक नया पक्ष जोड़ दिया है।

दास्तान...

हालांकि, वाजपेयी की ऐतिहासिक शांति यात्रा 20 और 21 फरवरी 1999 को लाहौर की थी, जबकि ताशी नामग्याल ने 3 मई 1999 को घुसपैठियों को देखा था। दोनों घटनाओं के बीच दो महीने से अधिक का अंतर था।

पुस्तक में यह भी लिखा गया है कि भारतीय सैनिकों ने अगले 10 महीनों में कब्जे वाले इलाकों को वापस हासिल किया, जबकि कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच हुआ था। भारत 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाता है।

इसी घटनाक्रम में वाजपेयी सरकार के अप्रैल 1999 में गिरने को लेकर भी तकनीकी गलती बताई गई है। सोनिया गांधी ने इसे अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार की हार बताया है, जबकि वाजपेयी सरकार विश्वास प्रस्ताव पर 269 के मुकाबले 270 वोटों से हारी थी। दोनों प्रस्तावों में संसदीय प्रक्रिया का अंतर है, क्योंकि उस समय सरकार ने स्वयं सदन से विश्वास मांगा था।

राहुल गांधी के मानहानि मामले में भी त्रुटियां

सोनिया गांधी ने अपने बेटे राहुल गांधी के आपराधिक मानहानि मामले का उल्लेख करते हुए लिखा है कि 2023 में तीन साल पहले की गई टिप्पणियों को लेकर मामला दर्ज हुआ था। पुस्तक के अनुसार, गुजरात हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनाई थी।

हालांकि, राहुल गांधी ने संबंधित टिप्पणी अप्रैल 2019 में चुनाव प्रचार के दौरान की थी और उसी वर्ष शिकायत दर्ज हुई थी। सूरत की मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च 2023 को राहुल गांधी को दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद गुजरात हाईकोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

आत्मकथा में आगे लिखा गया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जेल की सजा निलंबित करने के एक वर्ष बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल हुई। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त 2023 को उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाई थी और तीन दिन बाद उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल कर दी गई थी। अयोग्यता और सदस्यता बहाली के बीच पांच महीने से भी कम समय बीता था।

कानूनी दृष्टि से दोषसिद्धि पर रोक लगाने और सजा निलंबित करने में महत्वपूर्ण अंतर है। इन दोनों कानूनी कार्रवाइयों का संसद सदस्यता पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है।

अंतरराष्ट्रीय घटनाओं के विवरण में भी चूक

पुस्तक में अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से जुड़े कुछ विवरण भी गलत बताए गए हैं। सोनिया गांधी ने नेल्सन मंडेला के भारत रत्न ग्रहण करने के लिए भारत आने का वर्ष 1991 बताया है, जबकि उनकी यह यात्रा अक्टूबर 1990 में हुई थी।

इसी तरह 1994 में नेल्सन मंडेला के राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का नाम राष्ट्रपति आर.के. नारायण लिखा गया है, जबकि प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने किया था। वर्ष 1985 में बहामास के नासाउ में आयोजित राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक को भी पुस्तक में 49वीं बैठक बताया गया है, जबकि वह आठवीं बैठक थी।

राजीव गांधी की 1988 की ऐतिहासिक चीन यात्रा के संदर्भ में देंग शियाओपिंग को चीन का राष्ट्रपति बताया गया है। जबकि उस समय चीन के राष्ट्रपति यांग शांगकुन थे। देंग शियाओपिंग चीन के सर्वोच्च नेता और केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष थे।

राजीव-सोनिया की पहली मुलाकात की उम्र पर सवाल

सोनिया गांधी और राजीव गांधी की प्रेम कहानी के शुरुआती विवरण में भी तारीखों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पुस्तक के अनुसार, कैंब्रिज में पहली मुलाकात के समय सोनिया गांधी 19 वर्ष और राजीव गांधी 21 वर्ष के थे।

हालांकि, पुस्तक इस मुलाकात को जून 1965 से पहले का बताती है और जनवरी में हुई मुलाकात का उल्लेख करती है। यदि यह मुलाकात जनवरी 1965 में हुई थी तो दिसंबर 1946 में जन्मी सोनिया गांधी की उम्र 18 वर्ष और अगस्त 1944 में जन्मे राजीव गांधी की उम्र 20 वर्ष रही होगी। ऐसे में दोनों की उम्र अथवा मुलाकात की तारीख में से किसी एक को लेकर स्पष्टीकरण की जरूरत दिखाई देती है।

शाहबानो मामले का अधूरा विवरण

आत्मकथा में कुछ ऐसे प्रसंग भी हैं, जिन्हें पूरी तरह गलत बताने के बजाय ऐतिहासिक घटनाओं की अधूरी व्याख्या कहा जा सकता है। सोनिया गांधी ने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के 2001 के फैसले ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 को लेकर राजीव गांधी के रुख को प्रभावी रूप से सही ठहराया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कानून की संवैधानिक वैधता बरकरार रखने के साथ यह भी स्पष्ट किया था कि तलाकशुदा महिला के भविष्य के लिए उचित और न्यायसंगत प्रावधान किया जाना जरूरी है, जो इद्दत की अवधि से आगे तक प्रभावी हो सकता है। इस महत्वपूर्ण कानूनी व्याख्या का उल्लेख नहीं होने से न्यायिक फैसले की अधूरी तस्वीर सामने आती है।

निजी यादों से अलग तथ्यों की सटीकता अहम

सोनिया गांधी की पुस्तक में सामने आई गलतियों का यह अर्थ जरूरी नहीं है कि ऐतिहासिक घटनाओं को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया है। पुस्तक में राजीव गांधी के साथ उनके रिश्ते, इंदिरा गांधी से जुड़ी यादें और परिवार में हुई त्रासदियों के बाद निजी संघर्षों का विवरण भी महत्वपूर्ण है।

इन निजी अनुभवों का अपना महत्व है, क्योंकि सोनिया गांधी ने कई घटनाओं को करीब से देखा और महसूस किया है। हालांकि, जब आत्मकथा निजी स्मृतियों से आगे बढ़कर देश के राजनीतिक इतिहास, संवैधानिक व्यवस्था और सार्वजनिक घटनाओं का विवरण देती है, तो उसकी तथ्यात्मक सटीकता भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

आत्मकथा से इतिहास की पाठ्यपुस्तक जैसी अपेक्षा नहीं की जाती। यादें अधूरी हो सकती हैं और लेखकों से गलतियां भी संभव हैं। लेकिन जब कोई पुस्तक देश के राजनीतिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्ज करती है तो सार्वजनिक रिकॉर्ड से जुड़े तथ्यों की जांच जरूरी हो जाती है।

पुस्तक की विस्तृत समीक्षा में सामने आए 55 तथ्यात्मक और संदर्भ संबंधी मुद्दे इसी जरूरत की ओर ध्यान दिलाते हैं। सभी गलतियां समान रूप से गंभीर नहीं हैं, लेकिन इनकी संख्या प्रकाशन से पहले अधिक तथ्य-जांच और संपादकीय समीक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

कुलगाम में ...

अभियान चला रही हैं।सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके में सतर्क हैं। हमलावरों की धरपकड़ के लिए बहु-एजेंसी अभियान जारी है। सुरक्षा बल सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

सुरक्षा बलों के सूत्रों के मुताबिक, हमले के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई है। फुटेज से हमले में इस्तेमाल की गई संदिग्ध मोटरसाइकिल के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी मिली है।

सुरक्षा एजेंसियां अब बाइक के मालिक की पहचान करने और उसका पता लगाने की कोशिश कर रही हैं।

जांच एजेंसियां संदिग्ध बाइक के जरिए हमलावरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। इसके साथ ही हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई स्तरों पर जांच की जा रही है।

शादी पर विवाद...

इन दावों के वायरल होने के बाद परिवारों को धमकियां मिलने की बात भी सामने आई, जिससे शादी की तैयारियों पर असर पड़ा। पुलिस के अनुसार, 9 नवंबर को दोनों बहनें शिकायत लेकर पहुंची थीं।

उन्होंने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उस मैरिज हॉल के मालिक को फोन किया था, जहां शादी समारोह आयोजित होना है। फोन करने वाले ने इन शादियों को अंतरधार्मिक बताते हुए सवाल उठाए थे।

इसके बाद दोनों बहनों ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने मामले की जांच और उपलब्ध जानकारी के आधार पर स्पष्ट किया कि दोनों दूल्हे मुस्लिम हैं और उनका परिवार भी उसी समुदाय से है। क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र प्रताप गौतम ने दोहराया कि शादी को लेकर फैलाए जा रहे दावे सही नहीं हैं और इलाके की स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 12 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भव्य महाअन्नकूट महाप्रसादी में लगा भक्तों का तांता

1108 से अधिक शाकाहारी व्यंजनों का भगवान को लगाया भोग, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी सहित कई गणमान्य अतिथि हुए शामिल



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण मंदिर के तत्वावधान में दीपावली एवं नूतन वर्ष के पावन अवसर पर मंगलवार, 10 नवंबर 2026 को रसूलपुरा स्थित बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण मंदिर में भव्य सहस्र भोग अन्नकूट महोत्सव एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के अन्नकूट दर्शन किए और महाप्रसादी ग्रहण की।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी पूज्य आत्मचिंतनदास स्वामीजी के पावन सानिध्य में कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर प्रातः 10 बजे से भव्य अन्नकूट महाप्रसादी एवं गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। इसके पश्चात गोवर्धन पूजा, महाआरती, उत्सव दर्शन एवं महाप्रसादी भोग का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष भगवान को लगभग 1108 विभिन्न व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाता है। इस वर्ष भी 1108 से अधिक शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों से भगवान को भोग लगाया गया, जिसे बाद में श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, मल्काजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र, गौ सम्मान आह्वान अभियान के संयोजक स्वामी संकेदीकदास महाराज, लव फॉर काऊ के चेयरमैन जसमत पटेल, श्री गुजराती सेवा मंडल के अध्यक्ष घनश्यामभाई पटेल, ट्रस्टी जसभाई पटेल, श्री गुजराती प्रगति समाज, हैदराबाद के अध्यक्ष महेश पटेल, श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के चेयरमैन कांतीलाल गोराणी तथा प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विशाल संख्या में उपस्थित धर्मानुरागी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साधु आत्मचिंतनदास स्वामीजी ने कहा कि बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में भक्ति और कृतज्ञता के भाव के साथ अन्नकूट उत्सव मनाया गया। यह उत्सव श्री अक्षर पुरुषोत्तम महाराज के प्रति कृतज्ञता एवं भक्ति की हार्दिक अभिव्यक्ति है। इस अवसर पर भगवान को 1108 से अधिक शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। यह जीवंत उत्सव अनेक हिंदू परिवारों के लिए नूतन वर्ष के शुभारंभ का भी प्रतीक है।उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक लगभग 300 समर्पित स्वयंसेवकों ने इस उत्सव की तैयारियों के लिए मंदिर में 2400 घंटे से अधिक समय तक स्वैच्छिक सेवा प्रदान की। आत्मचिंतनदास स्वामीजी ने आगे कहा कि भारतीय भक्ति परंपरा में भगवान को भोग अर्पित करने का विशेष महात्म्य है। भक्त अपने प्रिय इष्टदेव को मनपसंद व्यंजनों का भोग लगाकर उनकी भक्ति का दिव्य आनंद प्राप्त करते हैं। भगवान के प्रसादरूपी भोग का आस्वाद लेकर भक्त स्वयं को धन्य अनुभव करते हैं। इसी भावना के साथ प्रत्येक वर्ष नूतन वर्ष के प्रारंभ में भगवान के समक्ष भव्य अन्नकूट का भोग अर्पित कर श्रद्धालु आनंद एवं उत्साह के साथ उत्सव मनाते हैं।

पूज्य स्वामीजी ने कहा कि प्रत्येक उत्सव हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। हर उत्सव जीवन में कोई न कोई उत्तम संदेश देता है। हमारे शास्त्रों एवं महापुरुषों ने उत्सवों की परंपरा प्रारंभ की है। इन उत्सवों का मूल उद्देश्य हमारे जीवन में भगवान की भक्ति को विशेष स्थान देना है।अन्नकूट महोत्सव में लगभग 6000 श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूज्य आत्मचिंतनदास स्वामीजी (बी.ए.पी.एस. अक्षरधाम मंदिर, सिकंदराबाद के प्रमुख संत), पूज्य विमलमुनिदास, हरिनिष्ठदास,



विवेकवत्सलदास सहित अन्य संतों ने विश्व शांति, सद्भाव, स्वास्थ्य एवं समस्त मानवता की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने अन्नकूट महाप्रसादी ग्रहण की। साथ ही मंदिर में विराजमान श्री स्वामीनारायण, राधाकृष्ण देव, श्री पद्मावती-श्री बालाजी, श्री सीतारामजी, श्री शिव-पार्वती-गणेश तथा परम पूज्य महंतस्वामी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सखवाल प्रगति समाज के तत्वावधान में

स्नेहमिलन, गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव आयोजित



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज, भाग्यनगर-हैदराबाद के नेतृत्व में सिखवाल प्रगति समाज के तत्वावधान में दीपावली स्नेहमिलन, गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन श्री राधाकृष्ण धाम में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

दीपोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित समारोह का शुभारंभ शाम 5:31 बजे स्वजातीय बंधुओं द्वारा सामूहिक रूप से 1100 दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीपों की अनुपम ज्योति से आलोकित परिसर में श्री राधाकृष्ण, वेदमाता गायत्री एवं महर्षि शृंग की महाआरती वैदिक एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। आरती के पश्चात अन्नकूट प्रसाद वितरण का शुभारंभ किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण श्रीनाथजी के समक्ष सजाई गई गोवर्धन पर्वत की भव्य एवं मनमोहक झांकी तथा भगवान को अर्पित छप्पन भोग का दिव्य प्रसाद रहा। आकर्षक सजावट, धार्मिक आस्था और भक्तिमय वातावरण ने उपस्थित समाजबंधुओं को भावविभोर कर दिया।इस अवसर पर सिखवाल ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में सिखवाल प्रगति समाज द्वारा सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि समाज की एकता, आपसी सद्भाव एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर स्नेहमिलन एवं अन्नकूट महोत्सव का नियमित आयोजन किया जाएगा। यह निर्णय भावी पीढ़ियों को अपनी धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना गया।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक एवं संस्था के सहमंत्री पवन कुमार उपाध्याय (डी.एल.) ने आयोजन की व्यवस्थाओं एवं सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके समर्पित प्रयासों और सक्रिय सहभागिता ने समारोह की भव्यता में विशेष योगदान दिया।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में श्री रामचन्द्र मठ, संगम मंदिर, लंगरहौज के महंत 1008 श्री राहुलदासजी महाराज, श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज, सिकंदराबाद के अध्यक्ष नटवरलाल व्यास, महामंत्री भागीरथ पांडिया तथा विप्र समाज के सुप्रसिद्ध कारीगर महावीर शर्मा (गुजर गौड़) उपस्थित रहे। संस्था की ओर से सभी अतिथियों का शाल एवं पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर महावीर शर्मा द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए स्वादिष्ट गोष्ठी प्रसाद की उपस्थित समाजबंधुओं ने मुक्तकंठ से सराहना की।

कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने में संस्था अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास 'बिलाल', वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, सोहनलाल जोशी, उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार व्यास (भाजपा), विष्णुगोपाल तिवारी, सहमंत्री शेषमल कायत, अनिल कुमार जायलवाल, कोषाध्यक्ष चंद्रभान व्यास, संगठन मंत्री चंपालाल ओझा, भामाशाह मोतीलाल तिवारी, बृजेश तड़बा, वरिष्ठ सदस्य रामेश्वरलाल उपाध्याय, श्रीरंग लाल ओझा, रामदेव व्यास, राजेन्द्र उपाध्याय, हरिकिशन ओझा, रामदेव नागला (सी.ए.), गौभक्त गोकुल प्रसाद उपाध्याय, जगदीश प्रसाद उपाध्याय, रामदेव व्यास (डॉन), रमेश उपाध्याय, नारायणलाल व्यास, विजय कुमार उपाध्याय, श्रीराम उपाध्याय, पवन व्यास बाबरा, राजेश उपाध्याय, उदाराम ओझा, रामनारायण तिवारी, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप जायलवाल एवं रूपचंद व्यास सहित सैकड़ों समाजबंधुओं और मातृशक्ति की सक्रिय सहभागिता रही।

समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं मातृशक्ति की सामूहिक उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि सामाजिक एकता केवल विचारों से नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और परंपराओं के संरक्षण से साकार होती है।

अंत में सभी समाजबंधुओं ने स्नेहपूर्वक अन्नकूट प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। श्रद्धा, समर्पण और सामाजिक एकजुटता के साथ संपन्न यह आयोजन समाज की सामूहिक चेतना एवं संगठनात्मक शक्ति का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर स्मरणीय रहा।

भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व है भैया दूज : सुनीता अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित स्टेट पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास बुधवार को भैया दूज के पावन अवसर पर नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप की सदस्य सुनीता अग्रवाल ने कहा कि भैया दूज भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह, विश्वास और आत्मीय रिश्ते का प्रतीक पर्व है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति में पारिवारिक संबंधों की मधुरता और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भाई-बहन का रिश्ता जीवन के सबसे अनमोल रिश्तों में से एक है। इसमें प्रेम के साथ-साथ एक-दूसरे के प्रति समर्पण, सम्मान, विश्वास और सुरक्षा की भावना जुड़ी होती है। भैया दूज का पर्व हमें इन संबंधों की अहमियत समझाने के साथ परिवार में प्रेम, एकता और सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देता है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक पर्व केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके पीछे जीवन को बेहतर बनाने वाली कोई न कोई प्रेरणा भी छिपी होती है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होती है, जब हम अपनी खुशियों को दूसरों के साथ बांटें और जरूरतमंदों के जीवन में भी प्रसन्नता लाने का प्रयास करें। राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्न-सेवा इसी भावना का प्रतीक है। अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है। निस्वार्थ भाव से किया गया छोटा-सा सेवा कार्य भी किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत करना है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से एक परिवार की तरह एकजुट होकर अन्नसेवा करते हैं। इस सेवा में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखा जाता, क्योंकि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। भगवान श्रीकृष्ण की कृपा और राधा रानी के आशीर्वाद से यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ता रहे, यही कामना है।

इस अवसर पर महेश गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, ई. जगन चंपापेट, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर अन्नसेवा में सहयोग किया और भैया दूज के पावन पर्व पर प्रेम, सद्भाव एवं सेवा भावना का संदेश दिया।

गोयल फार्मा एवं गोयल ड्रग्स में मनाया गया दीपोत्सव



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोयल फार्मा एवं गोयल ड्रग्स में रविवार को दीपोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर कंपनी परिसर में उत्सव का माहौल रहा। सभी ने आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, महावीर बोहरा सहित कंपनी के कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर कंपनी परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह और उल्लास देखने को मिला। सभी ने मिलकर दीपावली पर्व की खुशियां मनाईं और आपसी सौहार्द एवं एकता का संदेश दिया।

रोटरी क्लब एवं सरिता कृष्णा फाउंडेशन की पहल

400 महिलाओं को प्रोटीन पाउडर वितरित



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल ने सरिता कृष्णा फाउंडेशन के सहयोग से बोराबंडा स्थित संजय नगर कम्युनिटी हॉल में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रोटीन पाउडर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर लगभग 400 महिलाओं को प्रोटीन पाउडर वितरित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए सहयोग प्रदान करना था। इस अवसर पर सरिता कृष्णा फाउंडेशन की संस्थापक सरिता कृष्णा, रोटरी क्लब के अध्यक्ष वैभव सिंघानिया, महावीर जैन, पंकज कुमार संघी, महेश सिंघानिया, रामराज खत्री एवं मोहक सिंघानिया उपस्थित रहे।

कर्मनघाट मंदिर में छठ पूजा महापर्व कल से

उत्तर भारतीय नागरिक संघ की ओर से चार दिवसीय आयोजन सूर्यदेव को अर्घ्य देने के लिए किए जाएंगे विशेष इंतजाम



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर भारतीय नागरिक संघ, हैदराबाद की ओर से प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। इस महापर्व का शुभारंभ 13 नवंबर 2026 को नहाय-खाय के साथ होगा तथा 16 नवंबर तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। छठ पूजा का मुख्य आयोजन कर्मनघाट स्थित हनुमान मंदिर परिसर में किया जाएगा।

इस संबंध में उत्तर भारतीय नागरिक संघ के चेयरमैन एन.के. सिंह एवं अमरजीत सिंह ने मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों के साथ कर्मनघाट हनुमान मंदिर की कार्यकारी अधिकारी (ईओ) श्रीमती एन. लावण्या को ज्ञापन सौंपकर आयोजन की जानकारी दी तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की। संघ की ओर से बताया गया कि इस वर्ष मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्षों की अपेक्षा और बेहतर इंतजाम किए जाएंगे, ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना और सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उत्तर भारतीय नागरिक संघ ने सभी धर्मप्रेमियों एवं छठ श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कर्मनघाट हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर स्वच्छ जल एवं साफ-सुथरे वातावरण में भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें तथा सूर्यदेव का आशीर्वाद प्राप्त करें। संघ ने सभी श्रद्धालुओं से महापर्व में बढ़-चढ़कर सहभागी बनने का आग्रह किया है।



जिलेलागुड़ा, हैदराबाद में काशीराम यादव एवं उनकी टीम के तत्वावधान में यादव सदर सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। सम्मेलन में यादव समाज के लोगों ने सहभागिता की।

हाईटिक सिटी में पुनर्जीवित थम्मिडिकुंटा झील का उद्घाटन

अतिक्रमण और कचरा डालने से 14 एकड़ रह गई थी झील
हाइड्रा के प्रयासों से 30 एकड़ तक हुआ विस्तार : रेवंत रेड्डी



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हैदराबाद को एक वैश्विक शहर के रूप में विकसित किया जाए और थम्मिडिकुंटा झील का विकास इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण और कचरा डालने के कारण यह झील सिमटकर मात्र 14 एकड़ रह गई थी, लेकिन हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के प्रयासों से इसका विस्तार कर 30 एकड़ तक पहुंचाया गया है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को एचआईटेक सिटी में अभिनेता नागार्जुन, सेरिलिंगमपल्ली के विधायक अरेकापुड़ी गांधी, जुबली हिल्स के विधायक नवीन यादव, चेवेल्ला के सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, विधान परिषद सदस्य पटनम महेंद्र रेड्डी तथा अन्य नेताओं के साथ पुनर्जीवित थम्मिडिकुंटा झील का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद को लेक सिटी और रॉक सिटी के नाम से भी जाना जाता है। दक्कन के पठार पर स्थित होने के कारण यहां सुंदर चट्टानी संरचनाएं और विशाल झीलें मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आउटर रिंग रोड की सीमा के भीतर कभी हैदराबाद में 1,372 झीलें थीं, लेकिन समय के साथ इनमें से 50 प्रतिशत से अधिक झीलें गायब हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में साबरमती रिवरफ्रंट का निर्माण करवाया और यमुना रिवरफ्रंट का भी विकास किया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन और सिंगापुर जैसे शहरों का विकास भी नदी तटों के आसपास किया गया है, क्योंकि इन शहरों ने झीलों और नदी तटों के आसपास आर्थिक विकास के महत्व को समझा है।

उन्होंने कहा कि निजाम के शासनकाल में भी इसी सोच के तहत मूसी नदी के आसपास सालारजंग संग्रहालय, सिटी कॉलेज, पुरानापुल पुल, मोजाम जाही मार्केट और वीरनारी चाकली इलम्मा विश्वविद्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों और स्थलों का निर्माण किया गया था। लेकिन सरकारों की उपेक्षा के कारण धीरे-धीरे मूसी नदी का अस्तित्व प्रभावित होता गया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि मूसी नदी का विकास, शुद्धीकरण और सफाई किया जाना आवश्यक है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि विकास कार्यों के कारण एक भी परिवार प्रभावित न हो। उन्होंने लोगों से मूसी नदी को मिलकर पुनर्जीवित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि मूसी नदी के 21 किलोमीटर लंबे हिस्से में विकास कार्य जल्द शुरू किए जाएंगे। रिवरफ्रंट परियोजना के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं।उन्होंने अभिनेता नागार्जुन को वास्तविक हीरो बताते हुए कहा कि उन्होंने झील के विकास के लिए हाइड्रा को दो एकड़ जमीन सौंपकर सराहनीय योगदान दिया है।

इस अवसर पर सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रकृति और हरियाली से बढ़कर कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने झील के पुनरुद्धार कार्यों के लिए हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ की भी सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रामंतापुर स्थित पेद्दा चेरुवु में विस्थापित हुए 34 परिवारों को इंदिरम्मा आवास योजना के मकानों के दस्तावेज भी सौंपे।

युग निर्माता थे-आचार्य तुलसी : विमलसागरजी

आचार्यश्री तुलसी के 113वें जन्मदिवस पर भव्य आयोजन



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में आचार्यश्री तुलसी के 113वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भव्य एवं ऐतिहासिक समारोह का आयोजन किया गया। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा आयोजित इस समारोह में मूर्तिपूजक संप्रदाय के तपागच्छ के क्रांतिकारी प्रवचनकार आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी, गणिवर्य पद्मविमलसागरजी, आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी तथा तपागच्छ के संत मुनि तीर्थसुन्दरविजयजी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मूर्तिपूजक एवं स्थानकवासी संप्रदाय की साध्वियों का भी सान्निध्य रहा।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह में पूरा सभागार श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। विभिन्न जैन संप्रदायों के संतों एवं श्रावक-श्राविकाओं की गरिमामयी उपस्थिति ने जैन एकता, आपसी सौहार्द और धार्मिक समन्वय का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्यश्री विमलसागरजी के महामंत्रोच्चार से हुआ। तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की महिलाओं ने आचार्यश्री तुलसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समर्पित भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया। स्वागत वक्तव्य तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशीलजी संचेती ने दिया।

आचार्यश्री विमलसागरजी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि जिन महापुरुषों ने उनके जीवन को सर्वाधिक प्रभावित किया है, उनमें आचार्यश्री तुलसी का नाम प्रमुख है। उन्होंने बताया कि वे आचार्यश्री तुलसी के संपूर्ण साहित्य का अध्ययन करते रहे हैं और उनका साहित्य सदैव उनके पास रहता है। आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के साहित्य के साथ-साथ तेरापंथ की पत्र-पत्रिकाएं भी उनके अध्ययन का विषय रहती हैं। उनके गुरु का निर्देश था कि सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न परंपराओं के श्रेष्ठ साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आचार्यश्री तुलसी के साहित्य से उन्हें एक नई दृष्टि मिली। आचार्यश्री तुलसी में अद्भुत शक्ति, प्रतिभा और चमत्कारिक व्यक्तित्व था। वे जहां विराजमान होते थे, वहां विरोधी भी उनके व्यक्तित्व के सामने नतमस्तक हो जाते थे। वे वास्तविक अर्थों में युगप्रभावक और युगनिर्माता थे। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने लक्ष्य की ओर निरंतर कदम बढ़ाए। आंतरिक और बाहरी, दोनों स्तरों पर अनेक संघर्षों एवं विरोधों का सामना करने के बावजूद वे कभी विचलित नहीं हुए।

आचार्यश्री के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब समस्या के समाधान के लिए हुए राजीव-लोंगोवाल समझौते तथा लोकसभा के गतिरोध को समाप्त कराने में आचार्यश्री तुलसी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ को इतनी सुदृढ़ आधारशिला प्रदान की कि आने वाले 100-150 वर्षों तक उसे कोई हिला नहीं सकता। उन्होंने आचार्यश्री महाप्रज्ञजी जैसे महान व्यक्तित्व का निर्माण किया, श्रावक-श्राविकाओं की सशक्त पीढ़ी तैयार की तथा अनेक संस्थाओं की स्थापना की। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने पद का भी त्याग कर दिया। उनकी दूरदर्शिता, सूझबूझ और संगठन क्षमता अद्भुत थी।

भावपूर्ण शब्दों में उन्होंने कहा कि वे दसवीं बार आचार्यश्री तुलसी के जन्मदिवस के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए हैं। इस बार मुनिश्री दीप कुमारजी, मुनिश्री काव्य कुमारजी एवं तेरापंथ समाज की भावना से इस आयोजन में सम्मिलित होकर उन्हें विशेष प्रसन्नता हो रही है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में कहा कि किसी भी व्यक्तित्व का महत्व तब और अधिक बढ़ जाता है, जब वह अपने युग का प्रतिनिधित्व करते हुए युग की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की क्षमता रखता है। जिसकी अंगुलियां युग की नब्ज पर टिकी रहती हैं, वही इतिहास में परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि आचार्यश्री तुलसी का संपूर्ण जीवन युग की समस्याओं को समझने, उन्हें सुलझाने और समाज को नई दिशा देने में समर्पित रहा। आगम संपादन, अणुव्रत आंदोलन, जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान, श्रमण श्रेणी तथा जैन विश्व भारती संस्थान जैसे अनगिनत अवदान उनके दूरदर्शी चिंतन एवं युगांतरकारी पुरुषार्थ के प्रमाण हैं। जैन एकता एवं समन्वय के लिए भी उन्होंने भगीरथ प्रयास किए। वे ऐसे महापुरुष थे, जिनके व्यक्तित्व और कर्तृत्व पर आने वाली सदियां गर्व करेंगी।मुनिश्री ने कहा कि आचार्य विमलसागरजी इतनी दूर से इस कार्यक्रम में पधारे हैं, यह उनके महान एवं उदार दृष्टिकोण को दर्शाता है।

संतों का सम्मान, सुराणा परिवार का अभिनंदन

गणिवर्य पद्मविमलसागरजी एवं मुनि तीर्थसुन्दरविजयजी ने भी अपने प्रेरक विचारों के माध्यम से आचार्यश्री तुलसी के व्यक्तित्व, कर्तृत्व एवं समाज को दिए गए अवदानों का स्मरण किया।

इस अवसर पर तेरापंथी सभा एवं विभिन्न संस्थाओं की ओर से आचार्यश्री विमलसागरजी को 'तुलसी स्मृति ग्रंथ' भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक श्री झूमरलालजी, बस्तीमलजी एवं सुरेशजी सुराणा परिवार का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन मुनिश्री काव्य कुमारजी ने किया।

बधर माताजी धाम में पंचम वार्षिक उत्सव गोपाष्टमी 17 से



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमानी, मर्दा, छापरवाल, गदिया, मक्कड़ सहित 14 अन्य माहेश्वरी खापों की कुलदेवी बधर माताजी के धाम, ताना गांव (जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान) में नवनिर्मित भक्त निवास का लोकार्पण समारोह गोपाष्टमी के अवसर पर 17 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

लोकार्पण समारोह में शामिल होने के लिए बधर माताजी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्यामसुंदर सोमानी (संभाजीनगर), राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश दिनेश सोमानी तथा ट्रस्ट के सहसचिव गोविंद सोमानी ने जयपुर स्थित लोकभवन में राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ बागड़े से प्रत्यक्ष भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया।

बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति, हैदराबाद के अध्यक्ष राजेश सोमानी के आवास पर आयोजित चर्चा सत्र में समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी के नेतृत्व में हैदराबाद से एक प्रतिनिधिमंडल समारोह में भेजने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के सहसचिव गोविंद सोमानी ने भक्त निवास के निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी उपस्थित सदस्यों के साथ साझा की। उन्होंने बताया कि निर्माण के प्रथम चरण में 12 वातानुकूलित कमरे, रसोईघर, भोजनालय, कार्यालय एवं हॉल तैयार हो चुके हैं। भक्त निवास की प्रथम मंजिल पर 18 कमरे आगामी दिसंबर माह तक तैयार हो जाएंगे।

कार्यक्रम के तहत 17 नवंबर को दोपहर 5 बजे से माताजी ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा आयोजित होगी। इसके पश्चात शाम 7 बजे से माताजी की चौकी का आयोजन किया जाएगा।

वहीं, 18 नवंबर को सुबह 11:11 बजे से माताजी की महाप्रसादी का आयोजन होगा।

आयोजित चर्चा सत्र में डॉ. सचिन मर्दा, राजेश सोमानी, गोविंद सोमानी, विष्णु मर्दा, श्यामसुंदर सोमानी, हनुमान सोमानी, मदन मोहन सोमानी, सुनील सोमानी, रमेश मर्दा, राजगोपाल मर्दा एवं विट्ठल सोमानी ने सहभागिता की।

सामूहिक सहयोग और निस्वार्थ प्रेम से निरंतर आगे बढ़ रही राधे-राधे ग्रुप की सेवा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेखा अग्रवाल ने कहा कि सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग, निस्वार्थ सेवा भावना और आपसी प्रेम के बल पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। सेवा का यह कार्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे जरूरतमंदों के प्रति संवेदना, आत्मीयता और मानवता का भाव जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के एक-दूसरे की सहायता के लिए आगे आते हैं, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य जिस समर्पण और प्रेम के साथ नियमित रूप से अन्नसेवा में सहभागी बन रहे हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। इस प्रकार के सेवा कार्यों से आपसी भाईचारा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को मजबूती मिलती है।उन्होंने सभी सदस्यों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सेवा के इस पुनीत अभियान को निरंतर जारी रखना ही सबसे बड़ा संकल्प है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत करना तथा जरूरतमंदों तक प्रेमपूर्वक सहायता पहुंचाना है।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल एवं रेखा अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक संपन्न

सदस्यता ग्रहण समारोह में नए सदस्यों का स्वागत, जिला प्रभारियों की नियुक्ति कर दौरों का कार्यक्रम तय



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक एवं सदस्यता ग्रहण समारोह हैदराबाद में प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।बैठक में आगामी विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मतदाता नामांकन अभियान तथा तेलंगाना भर में पार्टी संगठन को मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने बताया कि इस अवसर पर कई नए सदस्यों ने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की। नए सदस्यों के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।बैठक के दौरान नए जिला प्रभारियों की नियुक्तियां की गईं तथा विभिन्न जिलों में दौरे का कार्यक्रम भी तय किया गया। पार्टी की गतिविधियों में बेहतर समन्वय स्थापित करने, जिला स्तरीय टीमों को मजबूत बनाने और बूथ स्तर तक संगठन की पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में संगठनात्मक अनुशासन, नेतृत्व के बीच समन्वय और सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों से प्रत्येक स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। नए सदस्यों के जुड़ने, नई जिम्मेदारियां सौंपने और जिला दौरों की योजना के साथ अल्पसंख्यक मोर्चा ने नई ऊर्जा एवं प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, प्रधान सचिव हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष शाहजहान, मोना सिंह, समी खान, सतपाल सिंह, मोहम्मद गजनी, जसपाल सिंह टूटेजा, रिदा कुद्दूस, चंदना जैन, साईदुलु, गुरुचरण सिंह, गुरप्रीत सिंह, फरनाज, नसीर सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

एनआईआईएमएच में हिंदी कार्यशाला आयोजित



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद में त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासकीय कार्यों तथा अनुसंधान में हिंदी के प्रभावी प्रयोग की जानकारी दी गई। प्रथम सत्र में प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद ने हिंदी वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 के क्रियान्वयन, राजभाषा अधिनियम 1963 एवं राजभाषा नियम 1976 के प्रावधानों तथा सरकारी पत्राचार में हिंदी के उपयोग पर मार्गदर्शन दिया। द्वितीय सत्र में अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. संतोष शांतिलाल माने ने आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के हिंदी में लेखन, वैज्ञानिक शब्दावली एवं शोध रिपोर्ट तैयार करने की विधियों की जानकारी दी। कार्यशाला में डॉ. वी. श्रीदेवी, डॉ. अशफाक अहमद, डॉ. टी. साकेत राम, डॉ. सत्यव्रत नंद, के. श्रीनिवास राव, वर्षा कुमारी सहित संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य प्रशासनिक एवं अनुसंधान कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना रहा।

नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विवेक वर्धिनी महाविद्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के भीमवरम से 3,000 किलोमीटर की नशाविरोधी साइकिल यात्रा पर निकलीं 63 वर्षीय समाजसेविका श्रीमती इंदुकुरी विजयलक्ष्मी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। वह अब तक 800 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर हैदराबाद पहुंची हैं। उनकी यात्रा 21 दिसंबर को दिल्ली में संपन्न होगी।

श्रीमती विजयलक्ष्मी ने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत के निर्माण का संदेश देते हुए युवाओं से नशे और नार्को-टेररिज्म के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। संस्था 'शपथ' के श्री शास्त्री ने तेलंगाना में नशे के दुरुपयोग को रोकने के प्रयासों की जानकारी दी। वहीं, तेलंगाना पुलिस ईगल फोर्स के इंस्पेक्टर श्रीनिवास ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी से प्राप्त धन का इस्तेमाल राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में किया जाता है। उन्होंने युवाओं से ऐसी गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की।

खाकी अखाड़ा में अन्नकूट महोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित जगन्नाथ खाकी अखाड़ा में पीठाधीश्वर महंत अमृत दास खाकी जी के सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भजन संध्या, गोवर्धन पूजा एवं महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में महंत अरुण दास, संगम पीठाधीश्वर महंत राहुल दास, महंत प्रशांत दास, पुरुषोत्तम मिश्र, राजकुमारी मिश्र, पूनम मिश्र, आईएएस अधिकारी शिव लिंगैया, राजू सर, श्रवण कुमार नागला, आचार्य सुनील पांडेय, गोपाल राठी, कमल नयन दरक, जगत नयन दरक, रूप नयन दरक, संजय तोतला, विजय कुमार तोतला, राजेश करवा, ऋत्विक सिंह, लखन तोतला, गिरिराज मिश्रा, विंध्याचल ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष रामपाल पांडेय, उपाध्यक्ष अवधेश द्विवेदी, रमेश जोशी, अनिल पांडेय, प्रदीप पांडेय, बिहारी लाल यादव, नीलेश मूंदड़ा, दीपक मिश्र, चेतन गिरी, रमेश लाल यादव, नरसिंह कांकाणी, रमेश मोदानी, पूर्व पार्षद लाल सिंह, विनोद सिंह, एडवोकेट वेंकट मंधाना, एडवोकेट प्रेम राज, रंजीत यादव, किसन लाल यादव, भजन गायक पुष्पेंद्र शुक्ला, संतोष पाठक, प्रकाश गर्ग, महेश गौतम, राजकुमार द्विवेदी, कमलेश द्विवेदी, सीताशरण, दीपनारायण तिवारी, सचिन तिवारी, रोहित द्विवेदी, पुजारी श्याम दायमा, शत्रुघ्न दायमा, सूरज महाराज, श्रीकांत शर्मा (लड्डू), राजेश महाराज, कुशाल महाराज, पवन कुमावत, मनीष मालाणी एवं राजेश यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.